RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:158 ता. 18 दिसम्बर 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

तेलंगाना में घर में लगी भीषण आग, 2 बच्चियों समेत 6 लोगों की जलकर मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के मंचेरियल में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक घर में आग लगने से दो बच्चियों समेत 6 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ये हादसा रामकृष्णपुर थाना क्षेत्र के वेंकटपुर गांव में हुआ है। एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा है।

मकान में आग लगने की जानकारी पड़ोस में रहने वाले एक शख्स ने पुलिस को दी थी। पुलिस ने बताया कि हादसे में मकान मालिक शिवय्या (50) और उसकी पत्नी पद्मा (45) की मौत हो गई। हादसे में पद्मा की भतीजी मोनिका (23), मोनिका की दो बेटी और एक रिश्तेदार मारा गया।

शनिवार रात लगी आग

पुलिस ने आगे बताया कि सभी लोग शिवय्या मंदमरी मंडल के वेंकटपुर में अपनी पत्नी के साथ घर पर रहते थे। हाल ही में मोनिका अपनी बेटियों के साथ शिवय्या के घर पर आई थी, सभी लोग साथ में रह रहे थे। शनिवार रात करीब 12 बजे पड़ोसियों ने शिवय्या के घर आग की लपटें देखी। पड़ोसी ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी।

घर के अंदर मिले 6 शव

आग की जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। आग के कारण पूरा घर जलकर खाक हो गया था। पुलिस ने बताया कि घर के अंदर 6 लोगों की लाश पड़ी मिली। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। आग की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

2024 तक अमेरिका की बराबरी कर लेगा भारत, भारत की सड़कों पर नितिन गडकरी का दावा

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि साल 2024 खत्म होने से पहले भारत की सड़कें अमेरिका की तरह चमकने लगेंगी। फिक्की के 95वें वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि हम देश में वर्ल्ड लेवल सड़क ढांचा बना रहे हैं। रसद लागत पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि 2024 तक 9 फीसदी ले जाने का प्रयास करेंगे।

नितिन गडकरी ने कहा कि हम देश में विश्व स्तरीय सड़क ढांचा बना रहे हैं और आपसे वादा करते हैं कि 24 साल की समाप्ति से पहले हमारा सड़क ढांचा अमेरिकी मानक के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा, हमारी रसद लागत एक बड़ी समस्या है। वर्तमान में यह 16 प्रतिशत है, लेकिन मैं आपसे वादा करता हूं कि 2024 के अंत तक हम इसे एक अंक तक ले जाएंगे, 9 प्रतिशत तक।÷

सड़क निर्माण के साथ पर्यावरण की भी चिंता

नितिन गडकरी ने कहा, हम जानते हैं कि निर्माण उद्योग न केवल पर्यावरण प्रदूषण में

महत्वपूर्ण योगदान देता है बल्कि वैश्विक सामग्री और संसाधनों का 40 प्रतिशत भी संरक्षित करता है। हम संसाधनों की लागत को कम करने और निर्माण की गुणवत्ता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि पर्यावरण के लिहाज से स्टील खतरनाक है। इसलिए हम ऐसे विकल्प की कोशिश कर रहे हैं कि निर्माण कार्य में स्टील का उपयोग कम से कम हो। निकट भविष्य में, ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत होगा।

ग्रीन हाइड्रोन ऊर्जा होगा भविष्य

गडकरी ने कहा, ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है। भारत एक ऊर्जा निर्यातक के रूप में खुद को आकार देने के लिए एक अच्छी स्थिति में है और यह केवल भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की क्षमता के कारण ही संभव हो सकता है। उड्डयन, रेलवे, सड़क परिवहन, रसायन और उर्वरक उद्योगों में ऊर्जा का स्रोत ग्रीन हाइड्रोजन होगा।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बारे में बात करते हुए गडकरी ने कहा कि भारत को इस क्षेत्र में अग्रणी होना चाहिए और हमारा ध्यान वैकल्पिक ईंधन पर चलने वाले इन ऑटोमोबाइल को बचाने

● नितिन गडकरी ने कहा कि हम देश में विश्व स्तरीय सड़क ढांचा बना रहे हैं और आपसे वादा करते हैं कि 24 साल की समाप्ति से पहले हमारा सड़क ढांचा अमेरिकी मानक के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा, हमारी रसद लागत एक बड़ी समस्या है।

पर है। कहा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी 2030 तक सबसे प्रभावी परिवहन प्रणाली होगी। कुछ दिनों पहले कनाडा की एक कंपनी मेरे पास यह दिखाने के लिए आई थी कि हम समुद्र के पानी में माइनिंग से कोबाल्ट और मैंगनीज कैसे प्राप्त कर सकते हैं।

गडकरी ने कहा, उन्होंने मुझे वही खनन सामग्री दिखाई। उन्होंने दावा किया कि अगर हम इसे कोबाल्ट के स्रोत के रूप में उपयोग कर सकते हैं तो यह बैटरी की लागत को कम कर देगा। बैटरी के संबंध में विश्व स्तर पर बहुत सारे शोध हो रहे हैं। हमें इस क्षेत्र में अग्रणी होना चाहिए।

देश की पहली ट्रांसजेंडर जज बोलीं-

चाहे चुनाव हो या नौकरी, इस समुदाय को हर चीज में मिले आरक्षण

इंदौर। देश की पहली ट्रांसजेंडर जज जोयिता मंडल ने अपनी इंदौर यात्रा के दौरान ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग की है। जज ने ट्रांसजेंडर के अधिकारों और विकास के लिए आरक्षण को जरूरी बताया। मोंडल ने कहा कि ट्रांसजेंडर्स को समाज में कानूनी अधिकार दिए गए हैं, लेकिन अभी भी उन्हें वह जगह नहीं मिल पाई है जहां वे कुछ कर सकें।

एक बोर्ड का गठन करने की मांग-जोयिता मंडल ने कहा कि सरकार को और अधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए ताकि हमें समानता मिले। यह हमारे प्रति संवेदनशीलता लाएगा। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडरों को समान अधिकार देने की बात कही है, लेकिन इसके लिए एक बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। हमारे मानवाधिकार भी आवश्यक हैं। पिछले आठ वर्षों में ट्रांसजेंडरों के लिए कुछ भी नहीं किया गया है।

ट्रांसजेंडर को शादी करना आवश्यक-एक ट्रांसजेंडर की शादी पर प्रतिक्रिया देते हुए मंडल ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ एक ट्रांसजेंडर के लिए किसी का सहारा होना आवश्यक है, इसके लिए शादी और साथ ही अपने उत्तराधिकारी के लिए बच्चों को गोद लेना आवश्यक है। ताकि जब मन तनाव में हो और बच्चा आपके साथ हो तो सारा तनाव दूर हो जाए।

ट्रांसजेंडर्स को मिले अच्छा माहौल-ट्रांसजेंडरों में साक्षरता की बात करते हुए जज ने कहा कि इसके लिए शिक्षा क्षेत्र में फैकल्टी को प्रशिक्षित करना जरूरी है। अगर ट्रांसजेंडर्स को अच्छा माहौल मिलेगा तो समुदाय आगे बढ़ेगा। मौजूदा हालात में जब ट्रांसजेंडर्स के बाल झड़ने लगेंगे आठवीं कक्षा के बाद बड़े होने पर स्कूल की फैकल्टी उन्हें स्कूल आने से मना करती है। इस डर से वे अपनी पढ़ाई छोड़ देते हैं। कोई भी अपनी मर्जी से पढ़ाई नहीं छोड़ता है। मंडल ने आगे कहा कि चाहे चुनाव हो या नौकरी इस समुदाय को हर चीज में आरक्षण मिलना चाहिए।

देश की पहली रैपिड रेल ट्रायल को तैयार, अगले साल मार्च में साहिबाबाद से दुहाई तक दौड़ेगी ट्रेन

गाजियाबाद। देश की पहली रैपिड रेल प्राथमिक खंड के ट्रायल के लिए तैयार है। एनसीआरटीसी ने ट्रायल की सभी तैयारी पूरी कर ली है। अगले 15 दिन में ट्रायल शुरू हो जाएगा। रैपिड रेल अगले साल मार्च में साहिबाबाद से दुहाई तक दौड़ने लगेगी। प्राथमिक खंड 17 किलोमीटर लंबा है। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 82 किलोमीटर लंबे पूरे कॉरिडोर पर वर्ष 2025 तक रैपिड रेल चलाने का दावा किया जा रहा है।

गाजियाबाद में कॉरिडोर के 17 किमी लंबे प्राथमिक खंड (साहिबाबाद -दुहाई) पर मार्च 2023 तक रैपिड रेल चलाई जाएगी। इसके लिए यह खंड बनकर तैयार हो गया। ट्रायल की तैयारी भी पूरी हो गई है। रेलवे ट्रैक लगभग बिछकर तैयार है। प्राथमिकता खंड में साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई स्टेशन डिपो स्टेशन शामिल हैं। सभी स्टेशन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

साहिबाबाद स्टेशन पर लिफ्ट लगाने का काम पूरा-साहिबाबाद स्टेशन की लंबाई 215 मीटर और चौड़ाई 25 मीटर है। इसमें

ग्राउंड, कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म लेवल है। इस स्टेशन का सिविल कार्य पूरा हो गया है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाने का काम पूरा हो गया है। एस्कलेटर और लिफ्ट लगाने का काम चल रहा है।

स्टेशन में तीन प्रवेश/निकास द्वार बनाए जा रहे हैं। एक प्रवेश निकास द्वार साहिबाबाद बस अड्डे की ओर,दूसरा वसुंधरा की ओर और तीसरा साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र की ओर बनाया जा रहा है।ओएचई का काम अंतिम चरण में है।

गाजियाबाद स्टेशन का काम 90 फीसदी पूरा-गाजियाबाद स्टेशन कॉरिडोर का सबसे ऊंचा स्टेशन है। यह स्टेशन जमीन से 26 मीटर की ऊंचाई पर है। स्टेशन की लंबाई 215 मीटर और चौड़ाई 42 मीटर है। स्टेशन का सिविल निर्माण 90 प्रतिशत पूरा हो गया है। स्टेशन की मेन लाइन पर ट्रैक बिछाने का कार्य पूरा हो गया है। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन में सबसे ज्यादा पांच प्रवेश-निकास द्वार बनाए जा रहे हैं। यह स्टेशन तीन ओर से सड़कों से घिरा है। तीनों प्रवेश निकास द्वार को फुटओवर ब्रिज के जरिए नया बस अड्डा मेट्रो स्टेशन से जोड़ा जाएगा।

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में 3.4 तीव्रता का भूकंप

शिमला। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के साथ-साथ भारत-तिब्बत अंतरराष्ट्रीय सीमा के गांवों में बीती रात 3.40 तीव्रता का भूकंप आया।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक रात करीब 10 बजकर 2 मिनट पर तीन से चार झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र 5 किलोमीटर गहराई पर किन्नौर का नाको था। भूकंप के झटके नाको के अलावा चीन सीमा से सटे चांगो, समदो, पूह, खाब, रिकांग पियो में भी महसूस किए गए। चंद सेकेंड तक आए भूकंप के झटकों ने लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया। जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

भारतीय नौसेना की हिंद महासागर में बढ़ेगी क्षमता

स्वदेश निर्मित 'आइएनएस मोरमुगाओ' आज नौसेना में होगा शामिल

नई दिल्ली। स्वदेश निर्मित मिसाइल विध्वंसक 'आइएनएस मोरमुगाओ' को रविवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। नौसेना के अनुसार यह युद्धपोत सेंसर, आधुनिक रडार और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल जैसी हथियार प्रणालियों से लैस है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुंबई में 163 मीटर लंबाई और 17 मीटर चौड़ाई वाले इस युद्धपोत का जलावतरण करवाएंगे। पश्चिमी तट पर स्थित ऐतिहासिक गोवा के बंदरगाह शहर मोरमुगाओ के नाम पर इस युद्धपोत का नाम रखा गया है। संयोग से यह पोत पहली बार 19 दिसंबर, 2021 को समुद्र में उतरा था, जिस दिन पुर्तगाली शासन से गोवा की मुक्ति के 60 वर्ष पूरे हुये थे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत बनाया गया स्वदेशी युद्धपोत-'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत इस स्वदेशी युद्धपोत को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया है और इसका निर्माण मझगांव डाक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया गया है। यह युद्धपोत परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध लड़ने में सक्षम है। चार 'विशाखापत्तनम' श्रेणी के विध्वंसकों में से दूसरे विध्वंसक को नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया जाएगा।

पोत 30 समुद्री मील से अधिक की गति प्राप्त करने में सक्षम-पोत को शक्तिशाली चार गैस टर्बाइन से गति मिलती है। पोत 30 समुद्री मील से अधिक की गति प्राप्त करने में सक्षम है। नौसेना ने कहा कि पोत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को देश में ही विकसित किया गया है तथा पोत में रॉकेट लॉन्चर, तारपीडो लॉन्चर और एसएडब्लू हेलीकॉप्टर की व्यवस्था है। पोत आणविक, जैविक और रासायनिक युद्ध परिस्थितियों के दौरान लड़ने में सक्षम है। मालूम हो कि भारत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दुस्साहस के मद्देनजर हिंद महासागर पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अपनी समुद्री क्षमता को बढ़ा रहा है।

19 दिसंबर से सुप्रीम कोर्ट में दो हफ्ते का शीतकालीन अवकाश, इस दौरान बंद रहेगा काम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में शनिवार से दो सप्ताह के लिए शीतकालीन अवकाश शुरू हो गया है जो कि एक जनवरी तक चलेगा। शीतकालीन अवकाश के दौरान मुकदमों की सुनवाई नहीं होगी और न ही कोई पीठ मामलों की सुनवाई के लिए बैठेगी। शुक्रवार को सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़ ने कोर्ट में मौजूद वकीलों से कहा कि कल से यानी शनिवार से एक जनवरी तक शीतकालीन अवकाश के दौरान केस की सुनवाई के लिए कोई पीठ नहीं होगी। कोर्ट की छुट्टियों को लेकर संसद में उठे सवालों और कानून मंत्री किरण रिजिजू के संसद में दिए गए बयान को देखते हुए प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की घोषणा महत्वपूर्ण हो जाती है। हालांकि, पूर्व में भी शीतकालीन अवकाश में मुकदमों की सुनवाई के लिए अवकाशकालीन पीठ नही बैठती थी। अवकाशकालीन पीठें सिर्फ गर्मी की लंबी छुट्टियों के दौरान ही बैठती हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे हमेशा अर्जेंट मामलों के लिए खुले रहते हैं। कभी भी किसी भी मामले में अर्जेंसी होने पर मामला वेकेशन रेजिस्ट्रार के समक्ष मेंशन किया जा सकता है। वेकेशन रेजिस्ट्रार मामले की तात्कालिकता को देखते हुए केस की जानकारी सीजेआइ को देते हैं और अगर मामला बहुत अर्जेंट हुआ तो सीजेआइ उस केस पर सुनवाई करने के लिए विशेष पीठ गठित करते है, जोकि मामले की सुनवाई करती है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में होने वाली लंबी छुट्टियां अक्सर चर्चा का मुद्दा बनती हैं और कई बार इनमें कमी करने की मांग उठ चुकी है। गुरुवार 15 दिसंबर को राज्यसभा में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में होने वाली लंबी छुट्टियों का मुद्दा उठा था और लंबित मुकदमों के ढेर को देखते हुए अदालत के अवकाश दिवसों में कमी करने की मांग हुई थी। कोर्ट की छुट्टियों से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए विगत गुरुवार को राज्यसभा में कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कहा था कि देश के लोग महसूस करते हैं कि अदालतों में होने वाली लंबी छुट्टियां न्याय की मांग करने वालों के लिए सुविधाजनक नहीं हैं। कानून मंत्री ने कहा था कि वे सदन की भावना न्यायपालिका को बताएंगे। हालांकि सदन में कानून राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा था कि न्यायालयों की छुट्टियां कम करने या समाप्त करने में केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है। यह न्यायपालिका के क्षेत्राधिकार से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 145 के तहत और हाई कोर्ट अनुच्छेद 225 के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोर्ट के कामकाज और सुविधाओं के संबंध में नियम बनाता है। इसी में उसकी बैठकें और अवकाश शामिल हैं। लेकिन जैसे कि हमेशा लंबित मुकदमों की चर्चा होती है और लंबित मुकदमों की संख्या पांच करोड़ होने जा रही है, इस पर बात करने में कोई हर्ज नहीं है। राज्यमंत्री ने कहा था कि कोर्ट में ग्रीष्मकालीन अवकाश सात सप्ताह यानी 49 दिनों के होते हैं। इसके अलावा शीतकालीन अवकाश, होली और दीपावली की छुट्टी पांच-छह दिन की छुट्टी तथा अन्य राजपत्रित अवकाश भी होते हैं। सुप्रीम कोर्ट में शनिवार और रविवार को भी कार्य दिवस नहीं होता है। उन्होंने कहा था कि हम सबकी, सरकार की और अदालत की यही मंशा है कि लंबित मामले कम हों और लोगों को त्वरित न्याय मिल सके। उपरोक्त विचार सरकार और सदन के थे लेकिन सरकार के अलावा अगर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की छुट्टियों पर न्यायपालिका की समय-समय पर व्यक्त की गई राय देखी जाए, तो जुलाई में तत्कालीन सीजेआइ एनवी रमणा ने जस्टिस एसबी सिन्हा मेमोरियल लेक्चर के दौरान रांची में कहा था कि लोगों में ये गलतफहमी है कि जज बहुत आराम में रहते हैं और अपनी छुट्टियों का आनंद लेते हैं। जज केवल 10 बजे से चार बजे तक काम करते हैं और अपनी छुट्टियों का आनंद उठाते हैं। ये धारणा सही नहीं है।

ज्ञानवापी केस में हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष की बहस पूरी स्कंद पुराण से लेकर औरंगजेब तक का किया गया जिक्र

प्रयागराज । वाराणसी में ज्ञानवापी स्थित श्रृंगार गौरी की पूजा की अनुमति देने के खिलाफ याचिका की सुनवाई जारी है। इस मामले में हिंदू पक्ष की बहस शुक्रवार को पूरी हो गई। अगली सुनवाई 21दिसंबर को होगी। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की याचिका की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस जेजे मुनीर कर रहे हैं। हिंदू पक्ष की तरफ से जो दलीलें दी गई उसमें स्कंद पुराण से लेकर औरंगजेब तक का जिक्र किया गया है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता हरिशंकर जैन व विष्णु जैन ने कहा कि मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद वह स्थान उसके स्वामित्व में आ जाता है। हिंदू विधि के अनुसार ध्वस्त होने के बाद भी अप्रत्यक्ष मूर्ति का अस्तित्व बना रहता है। उन्होंने कहा कि मंदिर तोड़कर मस्जिद का रूप दिया गया। वास्तव में वह मस्जिद है ही नहीं। वह मंदिर का हिस्सा है। क्योंकि जहां तीनों गुंबद मौजूद हैं वहीं पर ध्वस्तीकरण के समय श्रृंगार गौरी हनुमान व कृति वासेश्वर महादेव की मूर्ति थी जो स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर नाथ मंदिर का हिस्सा था। जैन ने कहा कि समवर्ती सूची के विषय में केंद्र व राज्य के बने कानून में अनुच्छेद 254(2)के तहत राज्य का कानून प्रभावी माना जाएगा। राज्य विधानसभा द्वारा पारित यूपी काशी विश्वनाथ एक्ट प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट पर प्रभावी होगा। काशी विश्वनाथ एक्ट में ज्ञानवापी परिसर पर विश्वनाथ मंदिर का स्वामित्व है। कानून पूजा के सिविल अधिकार के लिए सिविल कोर्ट को सुनवाई का अधिकार देता है। वक्फ बोर्ड या वक्फ अधिकरण को इस संबंध में कोई अधिकार नहीं है। वहीं वादी राखी सिंह की तरफ से अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने स्कंद पुराण का उल्लेख करते हुए कहा कि पंचकोसी परिक्रमा मार्ग में आने वाले मंदिरों का उल्लेख है। उनकी पूजा का विधान भी है। श्रृंगार गौरी की पूजा ज्ञानवापी में स्नान कर किए जाने का उल्लेख है। उन्होंने विवादित ढांचे की तस्वीर पेश कर कहा देखने से मंदिर है जिसकी दीवार पर गुंबद तैयार किया गया है। मंदिर के अवशेष अभी भी बरकरार है। नवंबर 1993 तक श्रृंगार गौरी की पूजा हो रही थी। जिला प्रशासन ने पूजा रोक दी है। पुराण में जहां तीनों गुंबद है उसके नीचे मूर्तियां थीं। वह मंदिर का हिस्सा है। वहां कोई मस्जिद नहीं है। औरंगजेब ने तीन मस्जिदें बनाई थी वह भी मंदिर तोड़कर। आलमगीर मस्जिद ज्ञानवापी से तीन किलोमीटर दूरी पर है। ज्ञानवापी मस्जिद को आलमगीर मस्जिद कहना सही नहीं है। परिक्रमा मार्ग में 11 मंदिरो में पूजा का उल्लेख है जिसमें श्रृंगार गौरी व कृतिवासेश्वर के पूजन का उल्लेख किया गया है। श्रृंगार गौरी के बाद सौभाग्य गौरी फिर ललिता घाट पर स्थित ललिता देवी की पूजा का विधान है। वास्तव में ज्ञानवापी में कोई मस्जिद नहीं है। मंदिर को तोड़कर मस्जिद का आकार दिया गया है। दीन मोहम्मद के 1937 में दाखिल मुकदमे से उनके परिवार को नमाज पढ़ने की इजाजत मिली लेकिन परिसर का स्वामित्व विश्वनाथ का है। मुस्लिम पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने भी पक्ष रखा। गौरतलब है कि वाराणसी की जिला अदालत में चल रहे श्रृंगार गौरी केस को लेकर मुस्लिम पक्ष की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी गई है। ज्ञानवापी मस्जिद की इंतजामिया कमेटी ने 12 सितंबर को जिला जज वाराणसी की कोर्ट से अर्जी खारिज किए जाने के फैसले को याचिका दाखिल कर हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस याचिका पर वाराणसी की अदालत में वाद दाखिल करने वाली 5 महिलाओं समेत कुल 10 लोगों को पक्षकार बनाया गया है। बता दें कि वाराणसी के जिला जज की कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष द्वारा दाखिल की गई आपत्ति को खारिज कर दिया था। जिला जज ने कहा था कि श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भारत में खत्म होने की कगार पर कोरोना

- 24 घंटे में 200 से कम आए नए मामले

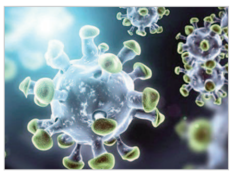

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 167 नए मामले आने से देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 44675776 पर पहुंच गई है जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3608 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार भारत में संक्रमण से चार और मरीजों की मौत से देश में मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 530667 हो गई है। मौत के नए मामलों में केरल द्वारा संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए सूची में जोड़े गए तीन मामले शामिल हैं जबकि एक मरीज की मौत पिछले 24 घंटे में महाराष्ट्र में हुई है। मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 98.8 प्रतिशत हो गई है। बीते 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 83 की कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 44141501 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। वहीं देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 219.99 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

मुख्तार अंसारी की मां और बहन के नाम पर दर्ज 8 करोड़ की संपत्ति कुर्क

लखनऊ । जेल में बंद माफिया डॉन मुख्तार अंसारी और उसके करीबी रिश्तेदारों की संपत्तियों पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को गाजीपुर जिले की पुलिस ने डाली बाग इलाके स्थित मुख्तार की मां और बहन के नाम पर दर्ज 8 करोड़ के प्लॉट को गैंगस्टर एक्ट में कुर्क कर दिया है। बीते 23 अक्टूबर को लखनऊ के हजरतगंज इलाके के डालीबाग स्थित मुख्तार अंसारी के बड़े भाई और सांसद अफजाल अंसारी की पत्नी के नाम पर दर्ज कोठी को गाजीपुर पुलिस ने कुर्क किया था। गाजीपुर पुलिस ने लखनऊ पहुंचकर मुख्तार की मां राबिया खातून उर्फ राबिया बेगम के नाम पर 386.1524 वर्ग मीटर का प्लॉट और बहन फहमीदा अंसारी के नाम पर दर्ज 231.040 वर्ग मीटर का प्लॉट कुर्क किया। बता दें कि अंसारी के बहनोई और फहमीदा अंसारी के पति एजाज उर्फ एजाजुल हक पर भी गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। लिहाजा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करते हुए अंसारी की बहन फहमीदा के नाम पर दर्ज प्लाट को भी कुर्क कर दिया है। लखनऊ में कुर्क किए गए दोनों ही भूखंडों की कीमत लगभग 8 करोड़ है। गौरतलब है कि बीते दिनों जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी और उसके साथी भीम सिंह को गाजीपुर की कोर्ट ने 10-10 साल की सजा सुनाई है। मुख्तार पर 5 मामलों के बाद गैंगस्टर का यह छठवां केस दर्ज हुआ था जिसमें सजा हुई है।

राहुल गांधी का बयान अमर्यादित देश और सेना का अपमान करने वाला-योगी

लखनऊ ।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीन द्वारा किए गए अतिक्रमण पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए बयान की निंदा की है और इसे अमर्यादित करार दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राहुल गांधी का बयान अमर्यादित बचकाना देश विरोधी तत्वों को प्रेरित करने वाला और देश की बहादुर सेना का अपमान करने वाला है। हम उनके इस बयान की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश और दुनिया ये कह रही है कि हमारी बहादुर सेना ने चीन को करारा जवाब दिया है तो इस तरह बयान देना शर्मनाक है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है। डोकलाम में भी जब चीन ने घुसपैठ की कोशिश की थी तो उस समय भी कांग्रेस और राहुल गांधी सेना के पराक्रम और शौर्य की तारीफ करने की जगह चीनी दूतावास के साथ मिलकर भारत विरोधी कृत्यों को प्रश्रय दे रहे थे। उनका बयान अत्यंत निंदनीय है। वो देश की सेना के पराक्रम पर उंगली उठाते हैं। हम राहुल गांधी की इस सोच की निंदा करते हैं और ये मांग करते हैं कि वो देश की जनता और बहादुर जवानों से माफी मांगें। उन्हें देश को बार-बार कठघरे में खड़ा करने की आदत से बचना चाहिए।

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में शामिल होंगे राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने मध्य प्रदेश के इंदौर में होने वाले 'प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में शिरकत करने वाले हैं। अगले महीने इंदौर में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के साथ-साथ राज्य के 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की मेजबानी की तैयारियों की समीक्षा के लिए भोपाल में आयोजित बैठक के दौरान इसकी जानकारी दी गई। 'प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन विदेश मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है और प्रवासी भारतीयों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये दोनों कार्यक्रम मध्यप्रदेश की ब्रांडिंग के लिए महत्वपूर्ण हैं। बैठक के दौरान दी गई एक प्रस्तुति में अधिकारियों ने कहा कि 'प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी के बीच होने वाला है वहीं प्रधानमंत्री मोदी कार्यक्रम के दूसरे दिन इसमें शामिल होने का हैं।

वहीं राष्ट्रपति मुर्मू 10 जनवरी को 'प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान करेंगी। प्रवासी भारतीय दिवस के मुख्य अतिथि गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली होंगे।

गेस्ट ऑफ ऑनर आस्ट्रेलिया हाउस ऑफ पार्लियामेंट की सदस्य सुश्री जेनेटा मेस्क्रेन्हेन्स रहेंगी। अधिकारियों ने कहा कि 11 और 12 जनवरी को होने वाले 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विभिन्न देशों के विभिन्न संगठनों और उद्योगों के लगभग 2500 प्रतिनिधि भाग लेने वाले हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का मोदी सरकार पर तंज कब होगी चीन पे चर्चा

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना कर पूछा कि भारत में चीन पे चर्चा कब होगी। खड़गे ने कहा कि सदन के सभापति द्वारा उन्हें इस मुद्दे पर बात करने का अधिकार दिए जाने के बावजूद उन्हें राज्यसभा में तवांग में भारत-चीन झड़प के बारे में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। खड़गे ने कहा कि चीनी सैनिक डोकलाम क्षेत्र में जम्फेरी रिज तक निर्माण कर रहे हैं जो रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बहुत करीब स्थित है। उन्होंने कहा कि मामला हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत चिंता का है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान राहुल गांधी के उस बयान से मेल खाता है जो उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के 100वें दिन दिया था। कांग्रेस सुप्रीमों ने कहा मैंने सरकार को चीन से सावधान रहने की चेतावनी दी है। चीन के पैटर्न को देखें .. वे लद्दाख और अरुणाचल की तरफ तैयारी कर रहे हैं लेकिन भारत सरकार सो रही है। भाजपा ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार कर कहा कि वह भ्रम फैलाने और सैनिकों का मनोबल गिराने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौर ने राहुल गांधी पर निशाना साधकर कहा राहुल गांधी को लगता है कि चीन के साथ निकटता होनी चाहिए। अब उन्होंने इतनी निकटता विकसित कर ली है कि उन्हें पता है कि चीन क्या करेगा।

गलवान और तवांग में भारतीय सेना ने जो बहादुरी व साहस दिखाया वह सराहनीय : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली ।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि गलवान घाटी संघर्ष और अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में हालिया गतिरोध के दौरान भारतीय सैनिकों ने जो बहादुरी और साहस का प्रदर्शन किया वह सराहनीय है और इसके लिए उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने चीन के साथ सीमा विवाद से निपटने की सरकार की रणनीति पर संदेह करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा चाहे वह गलवान हो या तवांग सशस्त्र बलों ने जिस तरह से बहादुरी और वीरता का प्रदर्शन किया उसके लिए उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है।

राजनाथ सिंह ने कहा हमने विपक्ष के किसी भी नेता की मंशा पर कभी सवाल नहीं उठाया हमने केवल नीतियों के आधार पर बहस की है। राजनीति सच्चाई पर आधारित होनी चाहिए। लंबे समय तक झूठ के आधार पर राजनीति नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाज को सही रास्ते की ओर ले जाने की प्रक्रिया को 'राजनीति' कहा जाता है। हमेशा किसी की मंशा पर संदेह करना इसका कारण मेरी समझ में नहीं आता। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पटल पर भारत का कद काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अब भारत विश्व मंच पर एजेंडा सेट करने की दिशा में काम कर रहा है।

भाजपा ने मुंबई में माफी मांगो प्रदर्शन शुरू किया राउत ने बाबा साहेब की जन्मस्थली पर विवादास्पद टिप्पणी की

मुंबई ।

शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं पर डॉ.बी.आर. अंबेडकर की जन्मस्थली पर विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप लगाकर सत्तारूढ़ सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को मुंबई में माफी मांगो प्रदर्शन शुरू किया। उधर विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और लगभग 50 दलों और समूहों ने भी विभिन्न मुद्दों पर दक्षिण मुंबई में मार्च निकाला। प्रदर्शन में राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले भाजपा मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलर वरिष्ठ नेता प्रवीण दारेकर और पार्टी के अन्य हजारों नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार और दलित वर्गों के चैंपियन डॉ. अम्बेडकर की जन्मभूमि पर संदेह जताने के शिवसेना (यूबीटी) के प्रयासों की निंदा की। शेलर ने कहा हमने सेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत को डॉ अम्बेडकर के जीवन पर लिखे गए कुछ आधिकारिक प्रकाशन भेजे हैं और उनसे इतिहास को समझने के लिए इस पढ़ने का आग्रह किया है। इतिहास को फिर से लिखने का प्रयास किया गया है और यह हमें स्वीकार्य नहीं है। उन्हें लोगों से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा नेताओं ने हिंदू देवताओं संतों वारकरियों आदि का उपहास करने के लिए शिवसेना (यूबीटी) की उप नेता और तेजतर्रार वक्ता सुषमा अंधारे की टिप्पणियों की भी निंदा की और यह जानने की मांग की कि उद्धव ठाकरे इस सब पर चुप क्यों हैं।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक पर सुझाव देने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक के मसौदे पर सुझाव देने की समयसीमा को दो जनवरी 2023 तक बढ़ाया है। एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गई। इसके पहले आम लोगों के लिए मसौदा विधेयक पर टिप्पणी करने की समयसीमा 17 दिसंबर थी। आधिकारी बयान में कहा गया इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक 2022 प्रकाशित किया है... कई हितधारकों से मिले अनुरोधों पर विचार करने के बाद मंत्रालय ने टिप्पणियां प्राप्त करने की अंतिम तारीख को दो जनवरी 2023 तक बढ़ाने का फैसला किया है। प्रस्तावित विधेयक में सरकार ने निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन करने पर जुर्माने की राशि 500 करोड़ रुपये तक बढ़ा दी है।

जीएसटी परिषद की बैठक में किसी वस्तु पर नहीं की गई कर वृद्धि : निर्मला सीतारमण

-जीएसटी काउन्सिल की बैठक में किसी उपभोक्ता वस्तु पर नहीं बढ़ाया गया टैक्स गुटखा-पान मसाला भी नहीं होगा महंगा

नई दिल्ली ।

जीएसटी काउंसिल की शनिवार को हुई बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। बैठक में लिए गए फैसलों से आम आदमी को राहत मिली है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक में किसी भी वस्तु पर कोई कर वृद्धि नहीं की गई है। बैठक में पान मसला और गुटखा उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने को लेकर कोई फैसला नहीं हो पाया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक में आज समय की कमी के कारण तंबाकू और गुटखा पर कर लगाने पर चर्चा नहीं की जा सकी। राजस्व सचिव ने कहा कि जीएसटी परिषद में दालों के छिलके पर कर की दर को 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने का फैसला किया है। जीएसटी परिषद ने शनिवार को अनुपालन में की जा रहीं कुछ गड़बड़ियों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने पर सहमति जताने के साथ ही अभियोजन शुरू करने की सीमा को दोगुना कर दो करोड़ रुपए करने का फैसला किया। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने जीएसटी परिषद की 48वीं बैठक खत्म होने के बाद इसमें लिए गए इन फैसलों की जानकारी दी। हालांकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद समय की कमी के कारण एजेंडे में शामिल 15 मुद्दों में से केवल आठ पर ही फैसला कर सकी। जीएसटी पर अपीलीय अधिकरण बनाने के अलावा पान मसाला और गुटखा व्यवसायों में कर चोरी को रोकने के लिए व्यवस्था बनाने पर भी कोई फैसला नहीं हो पाया। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि इस बैठक में ऑनलाइन गेमिंग और कैसिनो पर जीएसटी लगाने पर चर्चा नहीं की गई क्योंकि मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की अध्यक्षता वाले मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने इस मुद्दे पर कुछ दिन पहले ही अपनी रिपोर्ट सौंपी थी उन्होंने कहा कि समय इतना कम था कि जीओएम की रिपोर्ट जीएसटी परिषद के सदस्यों को भी नहीं दी जा सकी।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की दोषियों की रिहाई के विरोध वाली बिलकिस बानो की पुनर्विचार याचिका

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार 17 दिसंबर 2022 को बिलकिस बानो द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया। पुनर्विचार याचिका में 2002 में उनके साथ सामूहिक बलात्कार और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के लिए दोषी ठहराए गए 11 लोगों की जल्द रिहाई को चुनौती दी गई थी। उन सभी 11 लोगों को अपराध के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हालांकि इस मामले में 2008 में जिन 11 लोगों को दोषी ठहराया गया था वे 15 अगस्त को गोधरा उप-जेल से बाहर चले गए जब गुजरात सरकार ने अपनी छूट नीति के तहत उनकी रिहाई की अनुमति दी। गुजरात में गोधरा ट्रेन जलाने की घटना के बाद भड़के दंगों से भागते समय बिलकिस बानो 21 साल की थीं और पांच महीने की गर्भवती थी जब उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था। मारे गए परिवार के 7 सदस्यों में उनकी तीन साल की बेटी भी शामिल थी। इस मामले के दोषियों में से एक ने 9 जुलाई 1992 की नीति के तहत समय से पहले रिहाई के लिए उसके आवेदन पर विचार करने के लिए गुजरात राज्य को निर्देश देने के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था जो उसकी सजा के समय मौजूद था। सुप्रीम कोर्ट ने तब गुजरात सरकार को निर्देश दिया कि वह आवेदन पर विचार करे क्योंकि छूट या समय से पहले रिहाई सहित सभी कार्यवाहियों पर नीति के संदर्भ में विचार किया जाना था जो गुजरात राज्य में लागू है। जल्दी रिहाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में गुजरात सरकार ने एक हलफनामा दायर कर सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि 11 दोषियों को उनके अच्छे व्यवहार और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद जेल में 14 साल पूरे करने के बाद रिहा किया गया था। बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट के मई के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें गुजरात सरकार को मामले में 1992 के छूट नियमों को लागू करने की अनुमति दी गई थी। उसने 11 बलात्कार के दोषियों की समय से पहले रिहाई को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर की।

बिलावल भुट्टो को मेरी सलाह है कि भारत की तुलना पाकिस्तान से न करें : नसीरुद्दीन चिश्ती

नई दिल्ली ।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। इसके बाद से भारत की ओर से जोरदार पलटवार किया जा रहा है। भारत के मुस्लिम संगठनों ने भी पाकिस्तानी विदेश मंत्री के बयान की निंदा की है। अखिल भारतीय सूफी सज्जादानशीन परिषद के अध्यक्ष और अजमेर दरगाह के उत्तराधिकारी हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती में बिलावल भुट्टो के बयान की कड़ी निंदा कर उन्हें नसीहत भी दे दिया है। इतना ही नहीं नसीरुद्दीन चिश्ती ने साफ तौर पर कहा है कि हमें भारतीय होने पर गर्व है और पाकिस्तान की तुलना में हम भारत में ज्यादा सुरक्षित है। चिश्ती ने कहा कि मैं पाकिस्तानी विदेश मंत्री द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ इस्तेमाल की गई जहरीली भाषा की कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि भुट्टो ने न केवल अपने पोर्टफोलियो की स्थिति को कम किया है बल्कि अपने पूरे देश को भी कमजोर किया है।

चिश्ती ने कहा कि पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि भारतीय मुसलमान पाकिस्तानी मुसलमानों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि भुट्टो भूल गए हैं कि आतंकवादी ओसामा को पाकिस्तानी सरकार की नाक के नीचे अमेरिकी सेना ने पाकिस्तान में मार गिराया था। अजमेर दरगाह के आध्यात्मिक प्रमुख के उत्तराधिकारी ने कहा कि भुट्टो को मेरी सलाह है कि भारत की तुलना पाकिस्तान से न करें क्योंकि हमारा संविधान सभी को धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। हर मुसलमान को एक भारतीय होने पर गर्व महसूस होता है।

सीबीआई और दिल्ली पुलिस ने की अमेरिकी खुफिया एजेंसी की मदद

वाशिंगटन। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तकनीकी सहयोग मुहैया कराने के बहाने करीब 10 साल में हजारों अमेरिकियों विशेषकर बुजुर्गों को ठगने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ करने में अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की मदद की है। सीबीआई और दिल्ली पुलिस ने इस सप्ताह नई दिल्ली के हर्षद मदान (34) और फरीदाबाद निवासी विकास गुप्ता (33) को गिरफ्तार किया। नई दिल्ली निवासी तीसरा आरोपी गगन लांबा (41) अभी फरार है। जगन का भाई जतिन लांबा भी पुलिस की हिरासत में है। इन लोगों पर दूरसंचार या इंटरनेट सेवा (वायर) और कंप्यूटर का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी करने का आरोप है। अमेरिका के अटॉर्नी फिलप आर सेलिंगर ने इस घोटाले का भंडाफोड़ करने में उनकी सहायता करने के लिए सीबीआई और दिल्ली पुलिस को धन्यवाद दिया। भारतीय-अमेरिकी मेघना कुमार (50) ने इस मामले में इस सप्ताह अपने आरोप स्वीकार किए थे। ओंटारियो निवासी 33 वर्षीय जयंत भाटिया को कनाडा के प्राधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। न्यूयॉर्क में रिचमंड हिल के निवासी 34 वर्षीय कुलविंदर सिंह पर धनधोशन और निर्दिष्ट गैरकानूनी गतिविधि से प्राप्त संपत्ति से जुड़े मौद्रिक लेन-देन में शामिल होने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। इन सभी भारतीय और भारतीय मूल के लोगों पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने वैश्विक स्तर पर एक हाई-टेक जबरन वसूली योजना चलाने के लिए लोगों के निजी कंप्यूटर तक पहुंच का इस्तेमाल किया।

पृथ्वी की झीलों नदियों जलाशयों का परीक्षण करेगा नासा का नया उपग्रह

वाशिंगटन। नासा ने पृथ्वी की झीलों नदियों जलाशयों और समुद्र के पानी का परीक्षण करने के लिए एक पहला उपग्रह लांच किया है। कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट से सरफेस वाटर एंड ओशन टोपोग्राफी अंतरिक्ष यान लांच किया गया। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा गर्म समुद्र प्रतिकूल मौसम जंगल की आग आदि चुनौतियों का मानवता सामना कर रही है। नेल्सन ने कहा जलवायु संकट के लिए पूरी तरह से एकजुट दृष्टिकोण की आवश्यकता है और एसडब्ल्यूओटी एक लंबे समय से चली आ रही अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की उपलब्धि है जो अंतत- समुदायों को बेहतर ढंग से संगठित कर इन चुनौतियों का सामना कर सकेगी। उपग्रह को नासा और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी सेंटर नेशनल डीट्यूड्स स्पैटियालेस (सीएनईएस) द्वारा बनाया गया है। अंतरिक्ष यान में कैनेडियन स्पेस एजेंसी और यूके स्पेस एजेंसी का भी योगदान है। उपग्रह पृथ्वी की सतह के 90 प्रतिशत से अधिक ताजे जल निकायों और समुद्र में पानी की मात्रा को मापेगा। इससे यह पता चल सकेगा कि समुद्र जलवायु परिवर्तन को कैसे प्रभावित करता है। कैसे एक गर्म दुनिया झीलों नदियों और जलाशयों को प्रभावित करती है। बाढ़ जैसी आपदा से कैसे निपटा जा सकता है। एसडब्ल्यूओटी हर 21 दिनों में कम से कम एक बार 78 डिग्री दक्षिण और 78 डिग्री उत्तरी अक्षांश के बीच पूरी पृथ्वी की सतह को कवर करेगा प्रति दिन लगभग एक टेराबाइट डेटा वापस भेजेगा।

टेक्सास के पश्चिमी क्षेत्र में महसूस किए गए 5.4 तीव्रता के भकंप के झटके जानमाल का नुकसान नहीं

टेक्सास । अमेरिका में टेक्सास राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में शुक्रवार को 5.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अभी किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गयी और यह स्थानीय समयानुसार पांच बजकर 35 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र मिडलैंड से 22 किलोमीटर दूर उत्तर-उत्तरपश्चिम में जमीन से करीब नौ किलोमीटर की गहराई में स्थित था। मिडलैंड में राष्ट्रीय मौसम सेवा कार्यालय ने पहले ट्वीट कर चेतावनी दी थी कि यह टेक्सास राज्य के इतिहास में चौथा सबसे शक्तिशाली भूकंप होगा। यूएसजीएस के कोलराडो में राष्ट्रीय भूकंप सूचना केंद्र की भूभौतिकीविद जेना पर्सली ने कहा कि भूकंप के झटके 1500 से अधिक लोगों ने महसूस किए। उन्होंने कहा कि भूकंप के बाद कम तीव्रता का भूकंप का एक और झटका महसूस किया गया।

यूक्रेन को कृषि तेल आयात कारोबार में मदद के लिए आईएफसी दो अरब डॉलर की सहायता देगा

वाशिंगटन। युद्ध के कारण तबाह हो चुके यूक्रेन में कृषि एवं तेल आयात उद्योगों के पुनर्निर्माण एवं अन्य कंपनियों की मदद के लिए निजी कारोबारों को आईएफसी से 2 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता देगा। आईएफसी विश्व बैंक समूह का एक सदस्य है जो विकासशील देशों में निजी क्षेत्र को वित्तीय मदद देता है। आईएफसी का यह कर्ज अरबों डॉलर के उन अनुदान से अलग है जो यूक्रेन को दानदाता देशों से मिले हैं। युद्ध से तबाह यूक्रेन के वित्त मंत्रालय के अनुसार फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से देश में कम से कम 50 लाख लोग रोजगार गंवा चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रीय बैंक का अनुमान है कि इस साल सितंबर तक 11 प्रतिशत कारोबार बंद हो गए और आधे से अधिक कारोबार क्षमता से चालू हैं। यूक्रेन के निजी क्षेत्र को ऋण आगामी वर्षों के लिए अहम होगा क्योंकि यूक्रेन का वित्त मंत्रालय बजटीय घाटे से जूझ रहा है। इसके अलावा अनुदान और अन्य विदेशी मदद की गारंटी नहीं है क्योंकि अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी ने जनवरी में सदन का नियंत्रण अपने हाथ में आने पर इस तरह की मदद को लेकर अनिश्चितता का संकेत दिया है। निजी वित्तीय मदद पाना युद्ध बाढ़ एवं अन्य आपदाओं का सामना कर रहे देशों के लिए मुश्किल होता है।

अमेरिकी विवि में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री फिलिप के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले की जांच शुरू

वाशिंगटन। अमेरिकी विश्वविद्यालय एक नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री फिलिप डायबविग के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामलों की जांच कर रहा है। फिलिप डायबविग के वकील ने इन आरोपों को पेशेवर प्रतिद्वंद्वता बताकर खारिज कर दिया है। वकील एंड्रयू मिलटनबर्ग ने बताया कि सेंट लुइस में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी का कार्यालय पिछले कुछ सप्ताह से उनके मुवक्किल से पूछताछ कर रहा है। वकील मिलटनबर्ग ने इन आरोपों को तथ्यात्मक रूप से झूठा बताया है। विश्वविद्यालय में लंबे समय से बैंकिंग एवं वित्त संबंधी विषयों के प्रोफेसर डायबविग ने इस संबंध में उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया है। डायबविग अमेरिकी अर्थशास्त्री डगलस डब्ल्यू डायमंड और फेडरल रिजर्व के पूर्व अध्यक्ष बेन एस बर्नान्के को बैंकों की असफलता पर शोध के लिए इस साल अक्टूबर में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने बताया कि उसने उन ईमेल की समीक्षा की है जो दिखाते हैं कि विश्वविद्यालय परिसर में यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने वाले कार्यालय ने डायबविग के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए अक्टूबर से कम से कम तीन पूर्व छात्राओं से पूछताछ की है। ब्लूमबर्ग ने बताया कि उसने डायबविग पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली सात पूर्व छात्राओं से बात की है जिनमें से तीन से विश्वविद्यालय के कार्यालय ने पूछताछ की है। आर्थिक विज्ञान पुरस्कार समिति के अध्यक्ष टोरे एलिंगसन ने ब्लूमबर्ग को बताया कि रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस ने यह सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय से संपर्क किया है कि वे आरोपों की जांच के लिए उचित एवं निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाएं। मिलटनबर्ग ने कहा कि आरोप जिस समय में लगाए हैं उसे लेकर उनके मन में संदेह है। उन्होंने कहा कि आरोप ऐसे समय में लगाए गए हैं जब पुरस्कारों को घोषणा की जा चुकी है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के प्रभारी राजदूत को किया तलब

लाहौर। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के प्रभारी राजदूत को तलब करके चमन इलाके के निकट अफगान सैनिकों की ओर से बिना उकसावे की गई गोलीबारी की हालिया घटनाओं की निंदा की। इन घटनाओं के कारण पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तालिबान शासकों के बीच तनाव बढ़ गया है।

पेरु के चिल्का में पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो को अपदस्थ करने और गिरफ्तारी से उपजे विरोध प्रदर्शनों के कारण राजमार्गों और रेलवे पर अवरोधों के बाद एक पेड़ के तने को हटाते हुए पुलिस अधिकारी और लोग।

निकलेगी ड्रैगन की हेकड़ी 2023 अप्रैल में विस्फोट पर होगा कोरोना का संक्रमण

शिकागो। अमेरिका के शिकागो स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के नए अनुमानों के अनुसार चीन के कड़े कोरोना प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप 2023 तक देश में कोरोना वायरस संक्रमण विस्फोट हो सकता है इतना ही नहीं 1 लाख से अधिक मौतें हो सकती हैं। अनुमानों के अनुसार चीन में 1 अप्रैल के आसपास कोविड-19 संक्रमण के मामले चरम पर होगा जब मौतें 322000 तक पहुंच जाएंगी। आईएचएमई के निदेशक ने कहा कि तब तक चीन की लगभग एक तिहाई आबादी संक्रमित हो चुकी होगी। चीनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने कोरोना प्रतिबंधों को हटाने के बाद से किसी भी आधिकारिक कोरोना मौतों की सूचना नहीं दी है। अंतिम आधिकारिक मौत 3 दिसंबर को दर्ज की गई थी। बीजिंग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक उसके यहां कोरोना से अब तक कुल 5235 मौतें हुई हैं। चीन ने अभूतपूर्व सार्वजनिक विरोध के बाद दिसंबर में दुनिया के सबसे कठिन कोरोना प्रतिबंधों को हटा लिया था और अब संक्रमण में वृद्धि का सामना कर रहा है इस आशंका के साथ कि अगले महीने लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के दौरान 1.4 बिलियन आबादी में कोरोना वायरस संक्रमण फैल सकता है। क्रिस्टोफर मरे ने कहा 'किसी ने नहीं सोचा था कि वे जीरो-कोविड पॉलिसी को लागू रखने वाले हैं जबतक की उन्होंने ऐसा कर नहीं दिया। चीन की शून्य-कोरोना नीति वायरस के पहले के वेरिएंट को काबू रखने में प्रभावी हो सकती है लेकिन ओमिक्रॉन वेरिएंट की उच्च संप्रेषणीयता ने इसे लागू रखना असंभव बना दिया है।

अलेक्जेंडर दुगिन: या तो दुनिया खत्म होगी या फिर रूस युद्ध जीतेगा, यूक्रेन जंग के शिल्पकार की विनाशकार हुंकार

मॉस्को (एजेंसी)। पुतिन के गुरु अलेक्जेंडर डूबने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि या तो दुनिया खत्म होगी या फिर रोज यह युद्ध जीत जाएगा। दुनिया के खत्म होने के साथ ही यह लड़ाई खत्म होगी प्रणाम यह युद्ध कब तक चलेगा जब तक रूस जीत नहीं जाता है प्रणाम दूसरी खत्म होने को लेकर दो ही संभावना है। पहली संभावना यह है कि रूस की जीत के साथ यह जंग खत्म हो जाए। यह बहुत आसान नहीं है। दूसरी संभावना यह है कि जंग तभी खत्म होगी जब यह दुनिया खत्म हो जाए। या तो हम जीतेंगे या दुनिया तबाह हो जाएगी।

अलेक्जेंडर दुगिन ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि रूस किसी भी हालत में अपने दुश्मनों को नहीं बख्शेगा। हम इसके अलावा किसी भी नतीजे को स्वीकार नहीं करेंगे। जीत के बाद ही यह जंग खत्म होगी। रूस के लोगों के साथ-साथ राष्ट्रपति को इसी हिसाब से तैयार किया गया है।

अलेक्जेंडर दुगिन न केवल प्राथमिक पुतिन के गुरु माने जाते हैं बल्कि रूस के नीति निर्धारक भी माने जाते हैं। पुतिन हर फैसले से पहले अलेक्जेंडर

दुगिन से सलाह लेते हैं। यूक्रेन जंग पर दुगुने पुतिन के अगले प्लान का खुलासा किया। दुगिन ने इशारों में कहा कि पुतिन कोई बड़ा फैसला लेने वाले हैं। ऐसे में क्या आने वाले वक्त में रूस यूक्रेन के बीच चल रही जंग नयूक्लियर वॉर में बदल सकती है। यूक्रेन पर कब्जा कर रूस में मिलाने का दावा कर चुके हैं दुगिन ने कहा कि यह लड़ाई दूसरों पर दोस्त जमाने वालों से है मैं अपने देश और राष्ट्रपति का समर्थन कर रहा हूं पुतिन न्याय और शांति के लिए लड़ रहे हैं।

रूसी सैनिकों ने कीव समेत यूक्रेन के कई शहरों पर बरसाई मिसाइलें बुनियादी ढ़ांचे को पहुंची गंभीर क्षति

मॉस्को । रूस और यूक्रेन के बीच महीनों से जारी जंग अब और भयावह रूप लेती जा रही है। अब रूस लड़ाई में पूरी तरह से आर-पार के मूड में आ गया लगता है। वह यूक्रेन पर ताबड़तोड़ बमवर्षा कर रहा है। यूक्रेन पर फुल स्केल वॉर की तरफ बढ़ रहे रूस ने शुक्रवार को एक के बाद एक सैंकड़ों मिसाइलों की बरसात कर देश को ब्लैकआउट की ओर धकेल दिया।

रूस ने यूक्रेन पर तेज किया हमला ताबड़तोड़ दागीं 70 मिसाइलें जेलेंस्की ने सहयोगी देशों से मांगी मदद

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि युद्ध की शुरुआत के बाद से अपने सबसे बड़े हमलों में से एक में रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन पर 70 से अधिक मिसाइलें दागीं। इस हमले में यूक्रेन के कई शहरों में भीषण तबाही मची है। इसकी वजह से यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर कीव में बिजली गुल हो गई और कीव को आपातकालीन ब्लैकआउट लागू करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि मध्य क्रीवी रिह में एक अपार्टमेंट ब्लॉक के इस हमले की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई और दक्षिण में खेरसॉन में गोलाबारी में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन में रूसी अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेनी गोलाबारी से 12 लोगों की मौत हो गई है. इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने एक वीडियो संबोधन में कहा कि रूस के पास अभी भी बड़े पैमाने पर हमलों के लिए पर्याप्त मिसाइलें हैं। उन्होंने फिर से पश्चिमी सहयोगियों से कीव को अधिक और

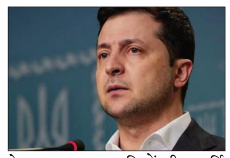

बेहतर वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति करने का आग्रह किया है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन वापसी करने के लिए काफी मजबूत है। उन्होंने कहा मॉस्को चाहे जितने प्रयास कर ले लेकिन अभी भी युद्ध में शक्ति का संतुलन नहीं बदलेगा। कीव ने गुरुवार को चेतावनी दी थी कि मॉस्को ने अगले साल की शुरुआत में 24 फरवरी के हुए आक्रमण के लगभग एक साल बाद एक नए ऑल-आउट आक्रमण की योजना बनाई है। 24 फरवरी के आक्रमण में यूक्रेन के व्यापक क्षेत्रों को मिसाइलों और तोपखाने द्वारा चकनाचूर कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि रूस ने अक्टूबर की शुरुआत से लगभग साप्ताहिक रूप से यूक्रेनी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर मिसाइलों की बारिश की है।

एस जयशंकर ने अपनी न्यूयॉर्क यात्रा को बताया फलदायी, कही ये बात

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उनकी न्यूयॉर्क की यात्रा उपयोगी रही और विस्तृत रूप से बताया कि अमेरिकी शहर की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने सुधारित बहुपक्षवाद और आतंकवाद विरोधी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंत्रिस्तरीय बैठकें कीं। विदेश मंत्री ने ट्वीट करते हुए कहा कि एक फलदायी न्यूयॉर्क यात्रा। सुधारित बहुपक्षवाद और काउंटर टेररिज्म पर यूएनएससी मंत्रिस्तरीय बैठकों की अध्यक्षता की। संयुक्त राष्ट्र परिसर में बापू की प्रतिमा के अनावरण में शामिल हुए। संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के लिए दोस्तों के समूह का शुभारंभ किया। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने आयरलैंड, आर्मेनिया, जापान, पोलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन और यूएई के साथ द्विपक्षीय बैठकों की मेजबानी की। जयशंकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 'आतंकवाद का समकालीन उपरिकेंद्र' सक्रिय रहता है और इस बात पर चिंता जताई कि आतंकवादियों को ब्लैकलिस्ट करने के साक्ष्य-समर्थित प्रस्तावों को पर्याप्त कारण के बिना कैसे रोक दिया जाता है। ग्लोबल काउंटर टेररिज्म अप्रोचः चैलेंज एंड वे फॉरवर्ड' में बोलते हुए, जयशंकर ने भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद के लिए पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों की ब्लैक-लिस्टिंग को रोकने के लिए चीन पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि पुरानी आदतें और स्थापित नेटवर्क अभी भी जीवित हैं, विशेष रूप से दक्षिण एशिया में और आतंकवाद का समकालीन उपरिकेंद्र बहुत अधिक जीवित और सक्रिय है, ''अप्रिय वास्तविकताओं को कम करने के लिए जो भी चमक लागू की जा सकती है।

तालिबान शासकों के लिए अपनी रणनीति पर पुनर्विचार कर सकता है पाकिस्तान : बिलावल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को सीमा पार से उनके देश में हमले करने से रोकने में नाकाम रहने पर निराशा जताई और कहा कि उनका मुल्क अफगानिस्तान के तालिबान शासकों से निपटने के लिए अपनी रणनीति पर पुनर्विचार कर सकता है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में बिलावल ने कहा, ''पाकिस्तान सीमा पार से टीटीपी या बीएलए (बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी) जैसे अन्य आतंकवादी समूहों के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।''

बिलावल के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान अफगानिस्तान के तालिबान शासकों से निपटने के लिए अपनी रणनीति पर पुनर्विचार कर सकता है, लेकिन वह काबुल से नाता तोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। पेशावर में आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) पर 16 दिसंबर 2014 को हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के सम्मान में आयोजित एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बिलावल ने

कहा कि काबुल के तालिबान शासक टीटीपी को सीमा पार आतंकवादी हमले करने से रोकने की पाकिस्तान की ''उम्मीदों'' पर खरे नहीं उतरे।

अफगानिस्तान से आए टीटीपी आतंकवादियों ने 149 लोगों की हत्या कर दी थी, जिसमें 132 स्कूली बच्चे शामिल थे। यह पाकिस्तान में सबसे वीभत्स आतंकवादी घटनाओं में से एक है। बिलावल ने याद किया कि अफगान तालिबान ने दोहा में ऐसा करने का संकल्प लिया था, जहां उन्होंने अमेरिका के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा, ''लेकिन इस ओर प्रयास नाकाम दिखाई देते हैं। ऐसा लगता है कि टीटीपी ने पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है। उसके हमले तेज हो गए हैं।''

यह पूछने पर कि क्या इस्लामाबाद अफगानिस्तान में तालिबान शासकों से संबंध खत्म करने पर विचार करेगा, बिलावल ने कहा, ''मैं तालिबान या अफगानिस्तान से कटने के बारे में नहीं सोच सकता। वे वास्तविकता हैं और वे मेरी सीमा पर हैं।'' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने उसके खिलाफ काम कर रहे टीटीपी और अन्य आतंकवादी समूहों को बाहरी समर्थन के ठोस सबूत वाला व्यापक डोजियर संयुक्त राष्ट्र महासचिव तथा सुरक्षा परिषद से साझा किया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा, ''हमें इन आतंकवादियों की पनाहगाह खत्म करने, उनके वित्त पोषण के स्रोत को समाप्त करने और ऐसे हमलों या इनके वित्त पोषण के लिए जिम्मेदार लोगों तथा संस्थाओं को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता है।'' उनकी यह टिप्पणियां तब आई है, जब प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने जून में सरकार के साथ हुए अनिश्चितकालीन संघर्ष-विराम को रद्द कर दिया था और अपने आतंकवादियों को पाकिस्तान में हमले करने का आदेश दिया था।

परमाणु संलयन अभी भी शायद दशकों दूर, नवीनतम सफलता इसके विकास को गति दे सकती है

बीजिंग (एजेंसी)। परमाणु संलयन, प्रचूर मात्रा में स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत के रूप में बहुत बड़ी क्षमता रखता है जो दुनिया की ऊर्जा की जरूरत को पूरा कर सकता है। अब, अमेरिका में एक राष्ट्रीय प्रयोगशाला में संलयन शोधकर्ताओं ने कुछ ऐसा हासिल किया है जिसके लिए भौतिक विज्ञानी दशकों से काम कर रहे हैं, इस प्रक्रिया को ''इग्निशन'' कहा जाता है। इस कदम में लेजर द्वारा जितनी ऊर्जा लगाई जाती है, संलयन प्रतिक्रियाओं से उससे अधिक ऊर्जा प्राप्त करना शामिल है। लेकिन हम फ्यूजन से ऊर्जा पैदा करने के कितने करीब हैं जो लोगों के घरों को बिजली दे सकता है?

जबकि ''इग्निशन'' केवल सिद्धांत का प्रमाण है और एक बहुत लंबी प्रक्रिया में पहला कदम है, अन्य विकास भी काम कर रहे हैं और साथ में वे फ्यूजन को एक व्यावहारिक वास्तविकता बनाने के लिए नए सिरे से उत्साह जगा सकते हैं। सबसे पहले यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि नवीनतम परिणाम वास्तव में एक मील का पत्थर है। कैलिफ़ोर्निया में नेशनल इग्निशन फैसिलिटी (एनआईएफ) के शोधकर्ताओं ने हाइड्रोजन ईंधन से भरे एक कैप्सूल में दुनिया के सबसे बड़े लेजर को दागा, जिससे वह फट गया और संलयन प्रतिक्रियाएं शुरू हो गईं जैसा सूर्य में होता है। विस्फोट द्वारा छोड़ी गई संलयन ऊर्जा लेजर द्वारा डाली गई ऊर्जा से अधिक थी, यह देखते हुए इसे एक बड़ी उपलब्धि कहा जा सकता है कि, कुछ ही साल पहले, एनआईएफ लेजर उसमें डाली गई ऊर्जा का लगभग एक हजारवाँ भाग ही निकाल सका था। हालाँकि, प्रकाश ऊर्जा में उत्पन्न होने वाली ऊर्जा की तुलना में लगभग 10,000 गुना अधिक ऊर्जा को लेजर में डालना पड़ा। इसे दिन में एक बार ही चलाया जा सकता है। और प्रत्येक लक्ष्य को इतने उत्कृष्ट रूप से डिजाइन किया गया है कि प्रत्येक की कीमत हजारों डॉलर है। एक कार्यशील पावर स्टेशन के लिए एक रिएक्टर का निर्माण करने में, आपको एक लेज़र की आवश्यकता होती है, जो बहुत अधिक दक्षतापर प्रकाश ऊर्जा का उत्पादन करे और लक्ष्य को प्रति सेकंड दस बार सफलतापूर्वक शूट करे, प्रत्येक लक्ष्य की लागत कुछ पेंस या उसके आसपास हो। इसके अलावा, प्रत्येक लेज़र शॉट को उसमें डाली गई ऊर्जा से कई गुना - शायद 100 गुना - ज्यादा उत्पादन करने की आवश्यकता होगी। फ्यूजन ''रिएक्टर्स'' पर वास्तव में बहुत कम शोध किया गया है, जहां प्रतिक्रियाओं से न्यूट्रॉन बिजली पैदा करने के लिए भाप टरबाइन को चलाने में मदद करेंगे। लेकिन आशा के अन्य कारण भी हैं। सबसे पहले, एनआईएफ को जब ''इग्निशन'' प्राप्त करने में एक दशक से अधिक का समय लगा, उसी अवधि के दौरान, वैज्ञानिकों ने स्वतंत्र रूप से नए लेसरों का विकास किया। ये लेजर को ऊर्जा स्थानांतरित करने के लिए डायोड नामक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करते हैं और बहुत ही कुशल होते हैं, जो ग्रिड से बिजली के बड़े अंश को लेजर प्रकाश में परिवर्तित करते हैं। ऐसे लेसरों के प्रोटोटाइप संस्करण संलयन में उपयोगी प्रति सेकंड दर से 10 गुना अधिक दर पर काम करने के लिए सिद्ध हुए हैं। ये लेजर अभी तक संलयन के लिए आवश्यक आकार के नहीं हैं, लेकिन तकनीक सिद्ध है, और यूके इस प्रकार के शोध में अग्रणी है। साथ ही, एनआईएफ में वैज्ञानिकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले संलयन के दृष्टिकोण में कुछ प्रसिद्ध, अंतर्निहित अक्षमताएं हैं, और कई अन्य विचार हैं जो अधिक प्रभावी हो सकते हैं। कोई भी पूरी तरह से निश्चित नहीं है कि ये अन्य विचार काम करेंगे, क्योंकि उनकी अपनी अलग समस्याएं हैं, और उन्हें कभी भी बड़े पैमाने पर आजमाया नहीं गया है।

ऐसा करने के लिए उनमें से प्रत्येक के लिए करोड़ों डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी, जिसमें सफलता की कोई गारंटी नहीं होगी (अन्यथा यह शोध नहीं होगा)। हालाँकि, अब परिवर्तन की हवा बह रही है- निजी क्षेत्र। बहुत दूर की सोच रखने वाले विभिन्न फंडों ने नई स्टार्ट-अप फर्मों में निवेश करना शुरू कर दिया है जो ऊर्जा के व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य स्रोत के रूप में फ्यूजन का प्रचार कर रहे हैं। यह देखते हुए कि वह निजी उद्योग था, जिसने इलेक्ट्रिक कार बाजार (और रॉकेट उद्योग) में क्रांति ला दी, हो सकता है कि यह क्षेत्र फयूजन को भी वह ''किक'' दे सके, जिसकी उसे आवश्यकता है।

निजी कंपनियां सरकारों की तुलना में बहुत तेजी से काम कर सकती हैं, और आवश्यकता पड़ने पर नए विचारों को अपनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ सकती हैं। प्रत्येक वर्ष तेल और गैस उद्योग द्वारा उत्पादित राजस्व में दो खरब अमेरिकी डॉलर (पाउंड स्टर्लिंग 1.6 खरब) की तुलना में सेक्टर में कुल निजी वित्त पोषण का अनुमान अब दो अरब अमरीकी डालर (पाउंड स्टर्लिंग 1.6 अरब) से अधिक है, जो अपने आप में बहुत कम है। उच्च जोखिम, उच्च भुगतान वाले खिलाड़ियों के लिए बाजार में अभी भी बहुत जगह है। नवीनतम परिणाम बताते हैं कि बुनियादी विज्ञान काम करता है- भौतिकी के नियम हमें संलयन से असीमित स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने से नहीं रोकते। समस्याएं तकनीकी और आर्थिक हैं। उन्हें एक या दो दशक में दूर कर पाना शायद मुमकिन न हो, लेकिन नवीनतम प्रगति कम से कम मानवता के सामने खड़ी कुछ बड़ी चुनौतियों में से एक को हल करने के उत्साह को जरूर बढ़ाएगी।

संपादकीय

अमेरिका में बज रहा भारत का डंका

इस समय दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति और महासंपन्न देश अमेरिका हैं। अमेरिका में इस समय 50 लाख लोग भारतीय मूल के हैं। दुनिया के किसी देश में इतनी बड़ी संख्या में जाकर भारतीय लोग नहीं बसे हैं। इसके कारण भारत से प्रतिभा-पलायन जरुर हुआ है लेकिन अमेरिका के ये भारतीय मूल के नागरिक सबसे अधिक संपन्न सुशिक्षित और सुखी लोग हैं ऐसा कई सर्वेक्षणों ने सिद्ध किया है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भारतीय मूल के लगभग दो करोड़ लोग इस समय विदेशों में फैले हुए हैं। लगभग दर्जन भर देश ऐसे हैं जिनके राष्ट्रपति उप-राष्ट्रपति प्रधानमंत्री विदेश मंत्री वगैरह भारतीय मूल के हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तो इसके नवीनतम उदाहरण हैं। भारतीय लोग जिस देश में भी जाकर बसे हैं वे उस देश के हर क्षेत्र में सर्वोच्च स्थानों तक पहुंच गए हैं। इस समय दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति और महासंपन्न देश अमेरिका हैं। अमेरिका में इस समय 50 लाख लोग भारतीय मूल के हैं। दुनिया के किसी देश में इतनी बड़ी संख्या में जाकर भारतीय लोग नहीं बसे हैं। इसके कारण भारत से प्रतिभा-पलायन जरुर हुआ है लेकिन अमेरिका के ये भारतीय मूल के नागरिक सबसे अधिक संपन्न सुशिक्षित और सुखी लोग हैं ऐसा कई सर्वेक्षणों ने सिद्ध किया है। यदि अमेरिका में 200 साल पहले से भारतीय बसने शुरु हो जाते तो शायद अमेरिका भी मोरिशस सूरिनाम वगैरह की तरह भारत-जैसा देश बन जाता। लेकिन भारतीयों का आव्रजन 1965 में शुरु हुआ लेकिन इस समय मेक्सिको के बाद वह दूसरा देश है जिसके सबसे ज्यादा लोग जाकर अमेरिका में बसते हैं। मेक्सिको तो अमेरिका का पड़ौसी देश है। लेकिन भारत उससे हजारों कि.मी. दूर है। भारत के आप्रवासी प्रायः उत्साही नौजवान ही होते हैं। जो वहां पढ़ने जाते हैं वे या तो वहीं रह जाते हैं या फिर यहां से अनेक सुशिक्षित लोग बढ़िया नौकरियों की तलाश में अमेरिका जा बसते हैं। उनके साथ उनके माता-पिता भी वहीं बसने की कोशिश करते हैं। इसके बावजूद भारतीय आप्रवासियों की औसत आयु 41 वर्ष है जबकि अन्य देशों के आप्रवासियों की 47 वर्ष है। भारत के कुल आप्रवासियों में से 80 प्रतिशत लोग कार्यरत रहते हैं। अन्य विदेशी आप्रवासियों में से जबकि 15 प्रतिशत ही सुशिक्षित होते हैं भारत के 50 प्रतिशत से अधिक लोग स्नातक स्तर तक पढ़े हुए होते हैं। भारतीय मूल के लोगों की औसत प्रति व्यक्ति आय डेढ़ लाख डॉलर प्रति वर्ष होती है औसत अमेरिकियों और अन्य आप्रवासियों की वह आधी से भी कम याने सिर्फ 70 हजार डॉलर होती है। भारतीय लोगों को आप आज के दिन अमेरिका के हर प्रांत और शहर में दनदनाते हुए देख सकते हैं। अब से लगभग 50-55 साल पहले जब मैं न्यूयॉर्क की सड़कों पर घूमता था तो कभी-कदाक कोई भारतीय 'टाइम्स स्कवाएर' पर दिख जाता था लेकिन अब हर बड़े शहर और प्रांत में भारतीय भोजनालयों में भीड़ लगी रहती है। विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों और अध्यापकों की भरमार है। अमेरिका की कई कंपनियों और सरकारी विभागों के सिरमौर भारतीय मूल के लोग हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि आज से 24 साल पहले मैंने जो लिखा था वह भी शीघ्र हो ही जाए। ब्रिटेन की तरह अमेरिका का शासन भी किसी भारतीय मूल के व्यक्ति के हाथ में ही हो।

सूक्ति

चरित्रहीन शिक्षा मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।
- सत्यसाई बाबा

देश का उद्धार विलासियों द्वारा नहीं हो सकता। उसके लिए सच्चा त्यागी होना आवश्यक है।
- प्रेमचंद

लॉफिंग ज़ोन

एक दुकान के बाहर लिखा था : इन्सानों की तरह बात करने वाला कुत्ता बिकाऊ है।

एक आदमी दुकानदार से जाकर बोला : मैं उस कुत्ते को देखना चाहता हूं। दुकानदार ने कहा : साथ के कमरे में बैठा है, जा कर मिल लो।

ग्राहक उस कमरे में गया। कुर्सी पर बैठे कुत्ते से पूछा : क्यों भई, तुम यहां क्या कर रहे हो?

कुत्ते ने बताया : कर तो मैं बहुत कुछ सकता हूं, लेकिन आजकल इस दुकान की रखवाली करता हूं। इससे पहले अमेरिका के जासूसी महकमे में काम करता था और कई खूंखार आतंकवादियों को पकड़वाया, फिर मैं इंग्लैंड चला गया जहां पुलिस के लिए मुखबरी करता था। एक साल बाद यहां आ गया।

उस आदमी ने दुकानदार से पूछा : इतने गुणवान कुत्ते को आप बेचना क्यों चाहते हैं?

जवाब मिला : अव्वल नंबर का झूठा है।

☺ ☺ ☺

रेलवे स्टेशन पर एक मुसाफिर कुली से बोला : मुझे ऐसी जगह बैठाना जहां धक्का - मुक्की और शोर-शराबा न हो।

कुली ने उसे माल गाड़ी में बैठा दिया।

युद्ध-ठंड की मार से मुक्ति की हो पहल

जी. पार्थसारथी

सोवियत संघ के घटक रहे अधिकांश गणतंत्रों ने जहां रूस के साथ संबंध बढ़िया बनाए रखे, वहीं यूक्रेन को पिछले सालों में लगा कि उसे रूस के साथ रिश्ता निभाने में बदलाव लाकर, राजनीतिक और आर्थिक नीतिगत लचीलापन रखना चाहिए। युवा और करिश्माई राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के नेतृत्व में यही किया गया, और इस काम में बाइडेन प्रशासन ने तगड़ी सहायता की। सामरिक महत्व के क्रीमिया बंदरगाह तक अपने पहुंच मार्ग अबाध बनाये रखने और दक्षिणी यूक्रेन में बसे रूसी मूल के लोगों की सुनिश्चित भलाई के लिए जेलेंस्की के भावी यत्नों से पड़ने वाले व्यवधानों की आशंका से चिंतित हो उठे रूस ने यूक्रेन पर सैन्य चढ़ाई कर दी। इससे पहले, यूक्रेन की ओर से क्रीमिया स्थित अपने नौसैन्य अड्डे के पहुंच मार्गों को खतरा बनता पाकर रूस ने 18 मार्च, 2014 को सैन्य दखलअंदाजी कर समूचे इलाके पर अपना नियंत्रण बना लिया था, फिर भी क्रीमिया तक पहुंचती संचार लाइनों की सुरक्षा और दक्षिणी यूक्रेन अंचल में बसे रूसियों की सुरक्षा को लेकर उसकी चिंता बरकरार रही। बिना लिहाज वाले रूस-यूक्रेन क्रूर युद्ध में दोनों तरफ बहुत ज्यादा जानी-माली नुकसान हुआ है। अमेरिकी सेना के सेना प्रमुखों के संयुक्त समूह अध्यक्ष जनरल मार्क ए मिले के अनुसार इस लड़ाई में लगभग 1 लाख रूसी या मारे गए या जख्मी हुए हैं और लगभग यही संख्या यूक्रेनी फौजियों की है, इसके अलावा लगभग 40000 आम यूक्रेनी नागरिक भी मारे गए और तकरीबन 1.5 से 3 करोड़ लोगों को बेघर होना पड़ा है। रक्त जमा देने वाली ठंड के बीच यूक्रेनी आक्रमण का जवाब देने में रूसी सैनिक किसी किस्म का लिहाज नहीं बरत रहे और मिसाइलों से यूक्रेन की बिजली आपूर्ति और संचार लाइनों को निशाना बना रहे हैं। रूसी हमलों से गैस आपूर्ति पहले ही कट जाने के कारण यूक्रेनियों की लगातार बढ़ती गिनती को घर-बार छोड़कर नई जगहों पर जाना पड़ा है, जिससे परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी भंग हो गई है। रूस से यूरोपियन देशों, जैसे कि जर्मनी की गैस आपूर्ति काट देने से नाटो संगठन के अन्य मुल्क भी मुश्किलों भरी ठंड का सामना करने का इंतजाम करने में लगे हैं। स्पष्ट है यूक्रेन से रूस के दो महत्वपूर्ण हित जुड़े हैं। पहला, यूक्रेनी तट तक अबाध पहुंच मार्ग और दूसरा, दक्षिणी यूक्रेन में पीढ़ियों से बसे रूसी मूल के लोगों की सुरक्षा को यकीनी बनाए रखना। अमेरिका और नाटो सहयोगी देशों द्वारा प्रदत्त अत्याधुनिक अस्त्र-शस्त्र से लैस होकर यूक्रेन ने पहले दक्षिणी अंचल पर काबिज रूसी सेना को खदेड़ने के प्रयास शुरू किए थे। प्रत्युत्तर में रूस ने मिसाइल हमले करके यूक्रेन के गैस आपूर्ति एवं बिजली आपूर्ति तंत्र को तहस-नहस कर डाला, जिससे देशभर में और अधिक संख्या में यूक्रेनी नागरिकों को हड्डियां जमा देने वाली ठंड का सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप भर में भावनात्मक लहर पैदा कर दी है और उसके प्रति हमदर्दी उमड़ आई है। यूक्रेन में चल रहा घटनाक्रम लगातार अंतर्राष्ट्रीय ध्यान का केंद्र बना हुआ है। भारत ने आरंभिक दिनों में तटस्थ रहना चुना, लेकिन शंघाई शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी का ध्यान खींचा, जब उन्होंने एशिया भर के बड़े नेताओं सहित पुतिन और शी जिनपिंग की उपस्थिति में कहा 'आज का युग युद्ध करने का नहीं है और मैं आपसे इस पर विचार करने का आह्वान करता हूं। आज हमें यह मौका मिला है कि शांति के पथ पर कैसे आगे बढ़ें।' जहां जर्मनी और यूके सहित अधिकांश नाटो सहयोगी देश यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी सैन्य सहायता में योगदान कर रहे हैं वहीं फ्रांसिसी राष्ट्रपति मैक्रॉन यूक्रेन शांति बहाली के लिए अर्थपूर्ण वार्ता करने के पक्षधर हैं। मोटे तौर पर यह वही रुख है जो भारत और चीन ने अपनाया है। इंडोनेशिया में हुई हालिया जी-20 बैठक में भी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शांति की अपील को पूरा समर्थन मिला है। ठंड शुरू होने से यूरोप भर में प्राकृतिक गैस की मांग बढ़ रही है। जाहिर है समूचे क्षेत्र में जमा देने वाली ठंड में ठिठुरते लोगों का गुस्सा बढ़ना तय है। जहां राष्ट्रपति पुतिन को आखिरकार यूक्रेन से वार्ता का स्वागत करना ही पड़ेगा, वहीं उनका मुख्य ध्यान क्रीमिया और ओडेशा बंदरगाह के पहुंच मार्गों पर बना रहेगा। पूर्व सोवियत संघ के दिनों में भी ओडेशा भारत सहित बाकी दुनिया से रूसी व्यापार का आयात-निर्यात केंद्र रहा है। रूसी तेल की कीमत को 60 डॉलर प्रति बैरल तक सीमित करने के अमेरिका के कड़े प्रयत्नों का सामना करने की तैयारी में दुनिया जुटी है। इस स्थिति से कैसे निपटेंगे, यह देखना बाकी है। जैसा कि अनुमान था, जी-20 की बैठक में पश्चिमी देशों ने रूस की कड़ी निंदा करना चुना, वहीं चीन और भारत को यकीन है कि इस किस्म की आलोचनाओं से रूस अपनी राह चलने से नहीं रुकेगा। इसलिए जरूरी है कि रूस और यूक्रेन बढ़ती जा रही चुनौतियों से निपटने को मिल-बैठकर यथार्थवादी नीतियां अपनाएं। उधर, पाकिस्तान ने यूक्रेन त्रासदी में अपनाई नीतियों से दुनिया को चौंका दिया है। अधिकांश विकासशील देशों ने रूस और यूक्रेन को लेकर तटस्थ रुख अपनाए रखा, हालांकि कुछेक ने रूसी आक्रमण को लेकर असहमति जताई है। पाकिस्तान ने पहले-पहल यूक्रेन पर रूसी चढ़ाई को लेकर चुप्पी साधे रखी। इसी तरह भारत, चीन और एशिया के कुछ मुल्कों ने भी बढ़ते युद्ध पर कोई एकतरफा वक्तव्य देने से परहेज रखा। परंतु अधिकांश विश्व को हैरानी हुई जब खबरें आईं कि ब्रिटिश वायुसेना के परिवहन हवाई जहाजों के जरिए यूक्रेन तक गोला-बारूद सहित युद्धक सामग्री पहुंचाने के वास्ते पाकिस्तान अपने हवाई अड्डों की सुविधा प्रदान कर रहा है, जाहिर है अमेरिकी मदद से। इसके बाद अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को 45 करोड़ डॉलर मूल्य के सैन्य उपकरण देने की घोषणा आई। पक्का है कि यह पूरा हवाई अभियान पाकिस्तान के तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा की देखरेख में चला, जिन्हें इसके बाद वाशिंगटन और लंदन यात्राओं में काफी अधिमान मिला। हैरान करने वाली बात यह है कि इसके तुरंत बाद मास्को पहुंचे पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक ने रूस से कच्चे तेल पर 30-40 फीसदी रियायत देने की मांग की और संकेत दिए कि रूसियों ने इसको मंजूर कर भी लिया है। लेकिन हकीकत तब खुली जब पाकिस्तानी मीडिया ने रहस्योद्घाटन किया कि मास्को में मलिक की वार्ता बिना किसी ठोस निष्कर्ष के खत्म हुई। हालांकि रूसी पक्ष की ओर से मिली सूचनाओं में बताया गया है कि रूस ने रियायती दर पर तेल की पाकिस्तानी मांग पर विचार करने पर सहमति दे दी है और इस पर निर्णय राजनयिक माध्यम से बाद में बताया जाएगा।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

न्यायालयों में मुकदमों की बाढ़ क्यों

(लेखक - सनत जैन)

जिला न्यायालय हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में पिछले कुछ वर्षों में मुकदमों की बाढ़ आ गई है। कानून मंत्री किरण रिजीजू ने राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 5 करोड़ मुकदमे न्यायालयों में लंबित है। रिजीजू ने न्यायालयों और विभिन्न न्यायिक प्राधिकरण के फैसले को बार-बार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपील कर मुकदमों की संख्या बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट को कुछ सलाह भी दे डाली। जमानत याचिकाओं और छोटे मामलों पर निचली अदालतों के फैसलों पर उच्च अदालतों को सुनवाई नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा अगर किसी प्रकरण में फैसला हो जाता है। तो उसका उच्च अदालत में ट्रायल करना गलत है। सरकार की मुकदमों की बढ़ती संख्या की चिंता जायज है। लेकिन यह वास्तविक चिंता नहीं है। सरकार कॉलेजियम सिस्टम के स्थान पर अपनी मनमर्जी से जजों की नियुक्ति करना चाहती है। उसके लिए उन्होंने एक भावात्मक एवं जिम्मेदारी वाला पांसा राज्यसभा में फेंका है। निश्चित रूप से उन्होंने संसद के दोनों सदनों से पारित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को लागू नहीं करने की ओर इशारा किया। सुप्रीम कोर्ट की कालेजियम की अनुशंशा को एक तरह से चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सदन की भावनाओं का सम्मान नहीं किया है। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग और कॉलेजियम सिस्टम को लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट आमने-सामने हैं। जिसके कारण पिछले कई वर्षों से जजों की नियुक्तियां बहुत विलंब से हो रही है। जिसके कारण हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के पद रिक्त पड़े हुए हैं। सरकार न्यायपालिका पर पूरी तरह से नियंत्रण करना चाहती हैं। यदि यह संभव हो गया तो फिर सरकारों की मनमानी बढ़ेगी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं खतरे में पड़ेंगी इतना तो तय माना जा सकता है। क्योंकि फिर सरकार के ऊपर कोई अंकुश नहीं होगा। मुकदमों की संख्या बढ़ रही है। सरकार को जजों की संख्या भी बढ़ानी होगी। सरकार जजों की संख्या नहीं बढ़ा रही है। मुकदमों की संख्या बढ़ने के क्या कराण हैं? इसको लेकर सरकार ने चुप्पी साध रखी है। शासन एवं प्रशासन के कानूनों एवं प्रशासकीय असंवेदनशीलता और गलत निर्णयों के कारण यदि मुकदमें बढ़ रहे हैं । इस स्थिति में सुधार करने की जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से कानून बनाए जा रहे हैं। उनमें संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन करते हुए नागरिकों को उनके अधिकारों से वंचित करते हुए सरकार मनमानी कर रही है। राज्य की विधानसभाओं और केंद्र की लोकसभा और राज्यसभा में जिस तरीके से कानून पास हो रहे हैं। उनके बारे में कोई बहस ही नहीं हो रही है। बहुमत के बल पर भीड़ तंत्र के कानून लागू किए जा रहे हैं। कानूनों में लगातार संशोधन हो रहा है। नियमों को सरकार और उसके प्रशासनिक अधिकारी मनमानी से लागू कर रहे हैं। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में मुकदमों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ती ही चली जा रही है। 60 फ़ीसदी से अधिक मामलों में सरकार ही मुकदमों में पार्टी होती है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरीके से नियम कायदे कानूनों का पालन मनमानी से किया जा रहा है। उसके कारण लोगों को जमानत और अन्य कारणों से बार-बार अदालतों की ओर रुख करना पड़ रहा है। वर्षों तक लोगों को जेलों में रखा जा रहा है। स्वतंत्रता नागरिकों का मौलिक अधिकार है। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च अधिकार दे रखे हैं। न्यायपालिका की जिम्मेदारी है कि वह संविधान मै प्रदत नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करते हुए संविधान के अनुसार सरकार द्वारा बनाए गए नियम और कानूनों की समीक्षा करे। उनके बारे में निर्णय करें। न्यायालय के निर्णय सभी को मानना अनिवार्य किया गया है। संविधान

निर्माताओं ने कार्यपालिका - विधायिका और न्यायपालिका के अलग-अलग कर्तव्यों के साथ न्यायपालिका और सरकार के निर्णयों की क्रियान्वयन करने की जवाबदारी प्रशासन को दे रखी है। जिस तरह से सरकार न्यायालयों में जजों की नियुक्ति पर एकाधिकार करना चाहती हैं। उसके बाद न्यायालयों की स्थिति भी सरकार के किसी विभाग की तरह ही होकर रह जाएगी। ऐसी स्थिति में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण संभव नहीं होगा। सरकार मनमाने निर्णय लेकर अपनी सत्ता को बरकरार रखने और विपक्षियों को कुचलने के लिए कानूनों का उपयोग करेगी। भीड़ तंत्र और बहुमत के आधार पर बेहतर निर्णय नहीं लिए जा सकते हैं। इसके लिए विषयों पर विचार विमर्श करते हुए अच्छे और बुरे परिणामों को ध्यान में रखते हुए समन्वय बनाकर ही सभी वर्गों का संरक्षण किया जा सकता है। न्यायालयों में मुकदमों की संख्या बढ़ रही है। उसके पीछे सरकार के बनाए हुए नियम कानून और उनका मनमाना उपयोग ही सबसे बड़े कारण हैं। व्यथित होकर लोग न्यायालयों की शरण में जा रहे हैं। सरकार जो भी नियम कानून बनाये। उनमें किंतु परंतु की जगह नियम कानून इस तरह से तैयार हों जो आम आदमी को समझ में आए। जिन संस्थाओं के ऊपर उन नियम और कानूनों को अमल कराने की जिम्मेदारी है। वह भी कानूनों का सही तरीके से जिम्मेदारी के साथ लागू कराएं। इसके लिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिये। इससे मुकदमों की संख्या को नियंत्रित किया जा सकेगा। लोगों को सही समय पर सही प्रशासनिक व्यवस्थाएं और न्याय भी मिल सकेगा।

(चिंतन-मनन)

अनुशासन का पाठ

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा आप सभी प्रतिभाशाली मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे? यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा बेटा आयुष तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा गुरुजी मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा। हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार जो शास्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा। आयुष की बात सुनकर गुरु अंबुजानंद का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। उन्होंने उसे गले से लगाकर कहा बेटा आज से यह गुरुकुल तुम्हारी देखरेख में ही चलेगा।

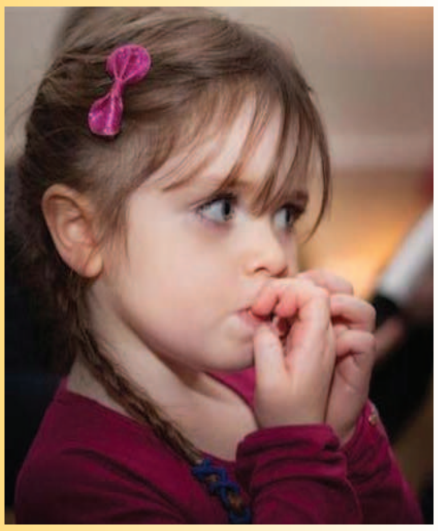

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

- गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।
- पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।
- लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलियां चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्रांइग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

पौष्टिक गुणों से भरपूर आड़ू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें।

ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देंने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।

दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।

अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।

बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।

यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चों को बताएं गुड और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरुरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सतर्क करना इसलिए जरुरी हैं क्योंकि बच्चे बहुत ज्यादा भोले और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई समझ नहीं होती। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको अपना समझने लगते हैं। उस व्यक्ति के साथ प्यार से बात करने लगते हैं। कई बार तो बच्चे अनजान इंसान के साथ भी चले जाते हैं। बच्चे मन के साफ होते हैं वह समझ नहीं पाते कि किसी के दिमाग में क्या है। ऐसे में मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुड और बैड टच के बारे में जरूर बताएं। ताकि वह किसी यौन शोषण का शिकार ना हो पाएं।

बताएं क्या है बैड टच और गुड टच

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है। इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की कोशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सके। बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके करीब आने का प्रयास करे तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच दे तो भी इंकार कर दें।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिगाम का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों को ड्राई फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की यददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची, बादाम, खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है.

जीमेल के लिए गूगल का क्लाइंट-साइड एन्क्रिप्शन बीटा में प्रवेश

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने वेब पर जीमेल के लिए अपने क्लाइंट-साइड एन्क्रिप्शन का एक बीटा लॉन्च किया है, जो ईमेल बॉडी में संवेदनशील डेटा को सुनिश्चित करेगा और अटैचमेंट को गूगल सर्वर तक अस्पष्ट रखेगा।कंपनी ने कहा कि गूगल वर्कस्पेस एंटरप्राइज प्लस, एजुकेशन प्लस और एजुकेशन स्टैंडर्ड के ग्राहक 20 जनवरी, 2023 तक बीटा के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, गूगल वर्कस्पेस पहले से ही लेटेस्ट क्रिप्टोग्राफिक स्टैंडर्स का उपयोग करता है ताकि सभी डेटा को बाकी और हमारी सुविधाओं के बीच ट्रांजिट में एन्क्रिप्ट किया जा सके। क्लाइंट-साइड एन्क्रिप्शन डेटा संप्रभुता और अनुपालन आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करने में मदद करते हुए आपके डेटा की गोपनीयता को मजबूत करने में मदद करता है। इसके अलावा, ग्राहक उन कुंजियों तक पहुंचने के लिए एन्क्रिप्शन कुंजी और पहचान सेवा पर नियंत्रण बनाए रखेंगे। क्लाइंट-साइड एन्क्रिप्शन गूगल ड्राइव, गूगल डॉक्स, शीट्स, स्लाइड्स, गूगल मीट और गूगल कैलेंडर (बीटा) के लिए पहले से ही उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि वह बीटा एप्लिकेशन स्वीकार करेगी और अगले कई हफ्तों में ग्राहकों को सूचीबद्ध करने की अनुमति देगी। यह भी उल्लेख किया गया है कि सेवा व्यक्तिगत गूगल अकाउंट्स वाले यूजर्स के लिए उपलब्ध नहीं होगी। पिछले महीने, तकनीकी दिग्गज ने जीमेल में एक नई पैकेज ट्रैकिंग फीचर की घोषणा की थी जो यूजर्स को अपने इनबॉक्स में अपने पैकेज ट्रैकिंग और डिलीवरी की जानकारी देखने में मदद करेगी।

अमेरिका ने चीन की 36 कंपनियों को ब्लैक लिस्ट किया

-चीन की सरकार को एक और बड़ा झटका दिया

बैंकॉक। चीन की उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्र की 36 कंपनियों को यूनाइटेड स्टेट कॉमर्स डिपार्टमेंट ने निर्यात नियंत्रण वाली काली सूची में डाला है। अमेरिकी ने चीन की सरकार को एक और बड़ा झटका दिया है। इन कंपनियों में विमानन उपकरण रसायन और कंप्यूटर चिप विनिर्माता शामिल हैं।अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा अमेरिकी हितों और मानवाधिकारों पर चिंता जताते हुए यह कदम उठाया है। किसी कंपनी को व्यापार 'एन्टिटी लिस्ट' में शामिल करने का मतलब है कि उनके साथ व्यापार करने वाली किसी भी अमेरिकी कंपनी के निर्यात लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा। माना जा रहा है कि चीन की सेना को अत्याधुनिक कंप्यूटर चिप और हाइपरसोनिक हथियारों जैसी उन्नत तकनीकों को हासिल करने से रोकने के लिए ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया है उनकी सूची शुक्रवार को प्रकाशित हुई। चाइनीज टेक्नोलॉजी के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों से जुड़ी यह नई कार्रवाई है। इसकी शुरुआत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में हुई और प्रेसिडेंट जो बिडेन के प्रशासन में भी यह सिलसिला जारी है। वहीं बाइडेन प्रशासन सेमीकंडक्टर्स और अन्य उन्नत तकनीकों के लिए अमेरिकी विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आगे बढ़ रहा है। दूरसंचार उपकरणों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इनमें हुआवे झेडटीई समेत पांच चीनी कंपनियों द्वारा बनाए गए संचार उपकरणों की बिक्री पर बैन शामिल है। बाइडेन प्रशासन ने कहा कि ये चीनी उपकरण अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए 'अस्वीकार्य जोखिम' पैदा करते हैं। अमेरिका के इस फैसला के बाद अब ये पांचों कंपनियां न तो चीन से माल मंगवाकर अमेरिका में बेच सकती हैं और न ही इनके प्रोडक्ट को अमेरिका में बिक्री के लिए मंजूरी मिलेगी।

2000 करोड़ के आईपीओ खुलेंगे अगले सप्ताह

-पैसा लगाकर अच्छा रिटर्न पाने की है उम्मीद

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार अगले हफ्ते में करीब 2000 करोड़ रुपये के आईपीओ खुलने वाले हैं। इन आईपीओ में पैसा लगाकर अच्छा रिटर्न पाया जा सकता है। साल के आखिरी महीने में पहले ही 3 आईपीओ खुल चुके हैं और अब इन 2 के बाद दिसंबर 2022 में आए आईपीओ की कुल संख्या 5 हो जाएगी। अगले हफ्ते 3 कंपनियों की बाजार में लिस्टिंग होने वाली हैं। यह कंपनियां हैं- वाइन मेकर सुला वाइनयाड्र्स फाइनेंशियल सर्विस कंपनी अबांस होल्डिंग्स और प्रीमियम ऑटोमोबाइल रिटेलर लैंडमार्क कार। सुला 22 दिसंबर को लिस्ट होगी जबकि बाकी 2 कंपनियों के शेयर 23 दिसंबर को बाजार में आगाज करेंगे। इस साल अब तक बाजार ने 36 आईपीओ की ओपनिंग देखी जिसके जरिए कंपनियों ने करीब 62000 करोड़ रुपये जुटाए। इसमें अगले हफ्ते आने वाले और आईपीओ को जोड़ दें तो यह रकम करीब 64000 करोड़ रुपये हो जाएगी। इस महीने जो 3 आईपीओ आए उनसे कंपनियों ने 1800 करोड़ रुपये जुटाए।

अब इन 2 के बाद यह रकम करीब 3800 करोड़ रुपये हो जाएगी। आइए जानते हैं कि अगले हफ्ते किन 2 कंपनियों के आईपीओ आने वाले हैं। पहला आईपीओ केफिन टेक्नोलॉजी का खुलेगा। इसके लिए निवेशक 19-21 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी आईपीओ के जरिए 1500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इस इश्यू में कोई फ्रेश शेयर नहीं है। यह आईपीओ पूरी तरह ओएफएस यानी ऑफर फोर सेल पर आधारित है। आईपीओ के जरिए कंपनी की प्रमोटर जनरल अटलांटिक सिंगापुर फंड 1500 करोड़ रुपये के शेयर बेचेगी। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 347-366 रुपये फिक्स किया गया है। इस इश्यू में खुदरा निवेशकों के लिए केवल 10 फीसदी हिस्सा आरक्षित है। वहीं 75 फीसदी हिस्सा क्वॉलिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सुरक्षित रखा गया है। बाकी बचे 15 फीसदी शेयर एचएनआई या हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स के लिए हैं। यह कंपनी भारत में एसेट मैनेजर्स को सर्विस और सॉल्युशन मुहैया कराती है।

कोर्ट ने दी बेबी पाउडर का उत्पादन जारी रखने की अनुमति

-जॉनसन बेबी पाउडर की बिक्री पर रहेगी रोक

मुंबई । जॉनसन एंड जॉनसन का उत्पादन जारी रखने की अनुमति बंबई उच्च न्यायालय ने दे दी है लेकिन इसकी बिक्री पर रोक रहेगी। कोर्ट ने लाइसेंस 15 दिसंबर को समाप्त होने के बावजूद अपने बेबी पाउडर का उत्पादन जारी रखने की अनुमति दी। लेकिन जॉनसन बेबी पाउडर की बिक्री अगले आदेश तक नहीं की जा सकेगी। जस्टिस आरडी धानुका और जस्टिस मिलिंद सथाये की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार के दो आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। कंपनी की ओर से पेश वकील वेंकटेश धोंड ने कहा कि कंपनी का लाइसेंस खत्म हो गया है इसलिए उसे सीमित सुरक्षा की आवश्यकता है। इसके बाद अदालत ने अपने अंतरिम आदेश को जारी रखते हुए कहा कि कंपनी उत्पादन जारी रख सकती है लेकिन अगले आदेश तक बिक्री पर रोक रहेगी। महाराष्ट्र सरकार ने अपने आदेश में 15 सितंबर को इस उत्पाद का लाइसेंस रद्द कर दिया था और 20 सितंबर को एक दूसरे आदेश में बेबी पाउडर के उत्पादन और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई थी।

ट्विटर अब लेटेस्ट एंड्रॉइड 13 अपडेट में थीम वाले आइकन का करेगा समर्थन

सैन फ्रांसिस्को।

एंड्रॉइड के लिए ट्विटर अब अपने लेटेस्ट स्टेबल अपडेट के साथ एंड्रॉइड 13 या उच्चतर चलाने वाले उपकरणों पर एक थीम वाले आइकन का समर्थन करता है।9टु5गूगल के अनुसार, इसमें गूगल के पिक्सल स्मार्टफोन के साथ-साथ सैमसंग गैलेक्सी डिवाइस भी शामिल होंगे, जो दोनों होम स्क्रीन आइकन पर इस मटेरियल यू थीम का समर्थन करते हैं। नए अपडेट के साथ, यह उपयोगकर्ताओं के वॉलपेपर और सिस्टम के साथ-साथ इस फीचर का समर्थन करने वाले किसी भी अन्य ऐप से मिलान करने के लिए ट्विटर आइकन के कलर को बदल देगा। रिपोर्ट के अनुसार अन्य उल्लेखनीय ऐप जो थीम वाले आइकन का समर्थन करते हैं, उनमें स्लैक, स्पॉटिफाई, टेलीग्राम, मास्टोडन, रेडिट और बहुत कुछ शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बदलाव को क्रिस बैन्स द्वारा एंड्रॉइड अपडेट के लिए ट्विटर में विलय कर दिया गया था, जैसा कि उन्होंने एक ट्वीट में पुष्टि की थी। उन्होंने ट्वीट किया, बर्डहाउस छोड़ने से पहले मेरे पिछले परिवर्तन का आनंद लें। बैन्स एक पूर्व ट्विटर कर्मचारी हैं, जिन्होंने नवंबर में कंपनी छोड़ने से पहले (अधिकांश एंड्रॉइड टीम के साथ) ट्विटर के एंड्रॉइड ऐप पर काम किया था। रिपोर्ट के अनुसार, यह लेटेस्ट ट्विटर अपडेट नए ट्विटर ब्लू का समर्थन नहीं करता है, जो अभी के लिए केवल आईओएस ऐप के माध्यम से उपलब्ध है और 8/महीने डॉलर (या अधिक) के लिए प्लेटफॉर्म का नया वेरिफिकेशन और अन्य फीचस प्रदान करता है। इसके अलावा, अपडेट की एक सीरीज में, पिछले हफ्ते, ट्विटर ने पुष्टि की थी कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्वीट कैरेक्टर लिमिट को 280 से बढ़ाकर 4,000 कर देगा।

नीदरलैंड और अमेरिका बनेंगे यूपी के बड़े साझेदार

लखनऊ।

यूपी की राजधानी लखनऊ में आगामी 10-12 फरवरी को होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए विदेशों से निवेश आना तय हो गया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में विभिन्न देशों का दौरा करके वहां ट्रेड शो और रोड शो के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रही टीम योगी को लगभग सभी देशों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं। अमेरिका से लेकर यूरोप तक से निवेशक उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए उत्सुक नजर आए हैं। इस क्रम में नीदरलैंड्स और अमेरिका से मिले निवेश के तमाम प्रस्ताव टीम योगी का उत्साह बढ़ाने वाले रहे हैं। इन प्रस्तावों में मैन्युफैक्च रिंग सुविधाओं की यूनिट से लेकर वेस्ट टू एनर्जी यूनिट्स, वेलनेस सेंटर, इको टूरिज्म रिसॉर्ट, आईटी सेंटर, मल्टी स्पोर्ट्स सेंटर समेत कई बड़ी यूनिट्स की स्थापना के लिए टीम योगी के साथ करार किए गए हैं। सीएम योगी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए प्रदेश में 10 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा है और उम्मीद की जा रही है कि विदेशों से बड़ी मात्रा में निवेश के जो प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं उसके बाद ये लक्ष्य शत प्रतिशत पूर्ण हो जाएगा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और आईटी मिनिस्टर योगेंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल को नीदरलैंड्स में निवेश के कई प्रस्ताव प्राप्त हुए। टेरावोके स एंड टीमाबी ने 800 करोड़ रुपए के निवेश के इंटेंट पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए वह उत्तर प्रदेश में जियोक्रीट एडिटिव मैन्युफैक्च रिंग सुविधाएं शुरू करेगी। जियोक्रेट सीमेंट के साथ एक मिश्रित योजक है जो सफेद रंग का होता है। इसी तरह, मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद में वेस्ट टू एनर्जी यूनिट्स लगाने के लिए जीसी-बीवी ने 150 मिलियन यूरो (करीब 132 करोड़) के दो निवेश इंटेंट पर साइन किए। डिप्टी सीएम ने जीसी-बीवी के निवेश पर स्वागत किया और उन्हें इन्वेस्टर्स समिट के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा वॉल्यूसेंट ग्रुप ने भी मथुरा में वेलनेस सेंटर, इको टूरिज्म रिसॉर्ट और आईटी सेंटर के लिए 100 करोड़ के निवेश का इंटेंट साइन किया। वहीं, स्पोर्ट्स नेटवकिंर्ग साइंस ने 600 करोड़ रुपए का निवेश इंटेंट फाइल किया। इस निवेश के जरिए उत्तर प्रदेश में मल्टी स्पोर्ट्स सेंटर स्थापित किया जाएगा। वहीं, पिकेल बीवी ने 450 करोड़ रुपए के निवेश का इंटेंट फाइल किया है, जिससे वह उत्तर प्रदेश में 5 बायोलॉजिकल वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स और बायोगैस ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करेगा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने नीदरलैंड्स के व्यापारिक समुदाय को उन सभी क्षेत्रों में भागीदारी का भी आमंत्रण दिया, जिनमें नीदरलैंड्स की कंपनियां श्रेष्ठ हैं। खासतौर पर एग्रीकल्चर, हॉर्टीकल्चरऔर फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट के लिए। इस अवसर पर हाई कमिश्नर रीनत संधू ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और व्यापारिक समुदाय से उत्तर प्रदेश में मिल रहे निवेश के मौके का लाभ उठाने की अपील की। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में फाल्कनएक्स के सीईओ मुरली चिराला से मिला। इस अवसर पर 3 एमओयू भी साइन किए गए। इनमें से एक एमओयू विशेष रूप से नोएडा में प्लांट स्थापित करने के लिए है तो बाकी दो 20-20 करोड़ के निवेश से जुड़े एमओयू हैं। प्रतिनिधिमंडल ने ब्लूम एनर्जी के अध्यक्ष केआर श्रीधर से भी मुलाकात की और एनर्जी सेक्टर में इनोवेशन को लेकर उत्तर प्रदेश के साथ भागीदारी पर चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बेस्ट बे ट्रकिंग के अध्यक्ष राजिंदर सिंह से भी मुलाकात की और इनके साथ एक हजार करोड़ रुपए के एमओयू पर भी साइन हुए।

उधर, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के नेतृत्व में कनाडा के विभिन्न शहरों में रोड शो के दौरान निवेश के कई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने रोड शो के अलावा कई वन टू वन बिजनेस मीटिंग भी कीं। खासतौर पर वैंकूवर में ब्रिटिश कोलंबिया यूनिवर्सिटी, राज चौहान, ब्रूस राल्सटन, ब्रेंडी बेली बीसी, जगरूप बरार, सेलिना रोबिनसन के साथ बैठक में अपेक्षित परिणाम मिले।

19 दिंसबर से पांच दिन के लिए सस्ता सोना खरीदने का मौका दे रही मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

अगर आप सोने में निवेश करना पसंद करते हैं तब आपके लिए एक सुनहरा मौका है। दरअसल मोदी सरकार जनता को सस्ती दरों पर सोना खरीदने का मौका दे रही है। मोदी सरकार सोमवार से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की तीसरी सीरीज खोलने जा रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2022-23 की तीसरी सीरीज सब्सक्रिप्शन के लिए 19 दिसंबर से 23 दिसंबर तक खुलेगी। 5 दिन तक आवेदन के लिए खुले रहने वाले इस इश्यू का प्राइस 5409 रुपये प्रति ग्राम सोना तय किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड आरबीआई सरकार की ओर से जारी करता है इसकारण इसकी सरकारी गारंटी होती है। बयान के मुताबिक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2022-23 की तीसरी सीरीज सब्सक्रिप्शन के लिए 19 से 23 दिसंबर तक खुलेगी। वहीं चौथी सीरीज 6 से 10 मार्च 2023 तक खुलेगी। ऑनलाइन आवेदन करने वाले निवेशकों को 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट देने का फैसला किया गया है। इनके लिए उन्हें डिजिटल माध्यम से पेमेंट करना होगा। इसका मतलब हुआ कि ऑनलाइन पेमेंट करने वाले निवेशकों के लिए गोल्ड बॉन्ड का इश्यू प्राइस 5359 रुपये प्रति ग्राम होगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की बिक्री शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक (स्मॉल फाइनेंस बैंक पेमेंट बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर) स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि क्लीयरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. डेजिग्नेटेड पोस्ट

ऑफिस एनएसई और बीएसई के जरिए की जाएगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की मैच्योरिटी अवधि 8 साल की होती है। साथ ही आपको इसमें 5वें वर्ष के बाद अगले ब्याज भुगतान तारीखों पर बाहर निकलने का ऑप्शन भी मिलता है। बयान के अनुसार इसमें निवेशकों को अंकित मूल्य पर छमाही आधार पर 2.50 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में एक वित्त वर्ष में एक व्यक्ति अधिकतम 4 किग्रा गोल्ड के बॉन्ड खरीद सकता है। वहीं न्यूनतम निवेश एक ग्राम का होना जरूरी है। वहीं ट्रस्ट या उसके जैसी संस्थाएं 20 किग्रा तक के बॉन्ड खरीद सकती हैं। बता दें आवेदन कम से कम 1 ग्राम और उसके मल्टीपल में जारी होते हैं।

टीवीएस ने मैक्सिको के ऑटो एक्सपो में लॉन्च कीं आरआर 310 और आरटीआर 200 4वी बाइक्स

नई दिल्ली। टीवीएस विदेश में भी अपनी स्थिति को मजबूत करने के प्रयास में लगी हुई है। हाल ही में कंपनी ने मैक्सिको के ऑटो एक्सपो में अपनी दो बाइक्स लॉन्च की हैं जिसमें आरटीआर 200 4वी और आरआर 310 शामिल हैं। लॉन्च के मौके पर कंपनी के प्रीमियम बिजनेस हेड विमल सुंबली ने बताया कि मैक्सिको के ऑटो एक्सपो में टीवीएस आरआर 310 और टीवीएस आरटीआर 200 4वी को पेश करते हुए हमें खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि दोनों बाइक्स उत्साही लोगों के बीच काफी पसंद की जाती हैं और लॉन्च के बाद से ही इन्हें बेहतरीन ट्रैक मशीन माना जाता है। एक्सपो जैसे प्लेटफॉर्म के साथ हम उम्मीद कर रहे हैं कि हम मैक्सिको में बाइक्स के शौकीनों तक पहुंचेंगे और उन्हें अपने उत्पादों के जरिए शानदार परफॉर्मेंस वाली बाइक्स चलाने का अनुभव देंगे। टीवीएस आरआर 310 में 5 इंच की वर्टिकल टीएफटी मल्टी इंफॉर्मेशन स्क्रीन दी गई है। इसमें ब्लूटूथ इनेबल्ड स्मार्टएक्स कनेक्ट भी दिया गया है। इसके अलावा इसमें राइडिंग के लिए चार मोड दिए गए हैं जिनमें अर्बन रेन स्पोर्ट और ट्रैक शामिल हैं। टीवीएस आरटीआर 200 4वी में नए एलईडी हेडलैंप दिए गए हैं। क्लॉ स्टाइल पोजीशन लैंप लंबी दूरी में बेहतर रोशनी देती है। आरटीआर सीरीज रेस ट्यून्ड-फ्यूल इंजेक्शन आरटी-एफआई तकनीक से लैस है। इसे खास तौर पर शानदार रेसिंग अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

जीएसटी परिषद की अपंजीकृत विक्रेताओं के लिए ई-कॉमर्स की अनुमति

नई दिल्ली।

जीएसटी परिषद ने कुछ शर्तों के अधीन अपंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं और कम्पोजीशन करदाताओं को ई-कॉमर्स ऑपरेटरों (ईसीओ) के माध्यम से माल की अंतर-राज्य आपूर्ति करने की अनुमति देने के लिए जीएसटी अधिनियम और जीएसटी नियमों में संशोधन को मंजूरी दे दी है।छोटे अपंजीकृत विक्रेताओं को ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से अपना सामान बेचने की अनुमति देने के जीएसटी परिषद के बड़े फैसले की तहे दिल से सराहना करते हुए, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने शनिवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस फैसले के लिए धन्यवाद दिया, जिसकी सीएआईटी द्वारा पिछले दो वर्षों से अधिक समय से मांग की जा रही थी। सीएआईटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया और महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह निर्णय छोटे व्यापारियों को ई-कॉमर्स के माध्यम से अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए जीएसटी की सीमा से नीचे का अधिकार देगा और डिजिटल इंडिया दृष्टि को मजबूती से मजबूत करेगा। देश में 8 करोड़ से अधिक छोटे व्यापारी हैं लेकिन बड़ी संख्या में व्यापारी जीएसटी पंजीकरण के बिना व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं क्योंकि उनकी वार्षिक बिक्री जीएसटी की सीमा से कम है। ऐसे व्यापारी अब ई-कॉमर्स पर व्यापार कर सकेंगे। इससे पहले, जीएसटी परिषद ने अपनी 47वीं बैठक में अपंजीकृत

आपूर्तिकताओं और संरचना करदाताओं को ईसीओ के माध्यम से माल की अंतर-राज्य आपूर्ति करने की अनुमति देने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी, जो कुछ शर्तों के अधीन थी। सीएआईटी ने कहा कि भारत तेजी से ई-कॉमर्स हब के रूप में उभर रहा है और ऑनलाइन कारोबार में जबरदस्त वृद्धि हो रही है। भारत में ई-कॉमर्स व्यवसाय अब कुल खुदरा कारोबार का लगभग 10 प्रतिशत है। एक बयान में कहा गया है, इसे देखते हुए यह अत्यंत प्रासंगिक था कि छोटे विक्रेता, जिनका टर्नओवर छोटा है और जीएसटी के दायरे में नहीं आते हैं, वह ऑनलाइन कारोबार करने में सक्षम नहीं थे, जिससे बाजार और व्यापार के अवसरों का भारी नुकसान हुआ।

जीएसटी परिषद की कुछ मामलों में छूट, अभियोजन के लिए टैक्स राशि की सीमा में वृद्धि करने की सिफारिश

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद ने शनिवार को कुछ अपराधों को गैर-अपराधीकरण करने की सिफारिश की और माल या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति के बिना चालान जारी करने के अपराध को छोड़कर, अभियोजन शुरू करने की सीमा को एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर दो करोड़ रुपये कर दिया।इसके अलावा, परिषद ने कंपाउंडिंग राशि को कर राशि के 50 प्रतिशत से 150 प्रतिशत की वर्तमान सीमा से घटाकर 25 प्रतिशत से 100 प्रतिशत की सीमा तक करने की भी सिफारिश की। व्यापार को सुविधाजनक बनाने के उपायों में कुछ अपराधों को गैर-अपराधीकरण करने की सिफारिश भी शामिल है जिसमें किसी भी अधिकारी को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालना या रोकना शामिल है- महत्वपूर्ण सबूतों को जान-बूझकर तोड़-मरोड़ कर पेश करना और सूचना उपलब्ध कराने में विफल रहना। परिषद की बैठक में हुई चर्चा पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कोई नया कर नहीं लाया गया है। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को नई दिल्ली में वर्चुअल मोड के माध्यम से 48वीं जीएसटी परिषद की बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के अलावा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों और वित्त मंत्रालय और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज नई दिल्ली में जीएसटी परिषद की 48वीं बैठक की वर्चुअल माध्यम से अध्यक्षता की। इसके अलावा, परिषद ने स्पष्ट किया है कि एसयूवी क्या है और ऑटोमोबाइल की ऐसी श्रेणियों के लिए कर लागू होता है। परिषद ने स्पष्ट किया कि 1,500 सीसी से अधिक इंजन क्षमता और 170 मिमी या उससे अधिक के ग्राउंड क्लीयरेंस के साथ 4,000 मिमी से अधिक लंबाई वाले वाहन एसयूवी पर 22 प्रतिशत मुआवजा उपकर लगेगा। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग और कैसिनो पर जीएसटी पर चर्चा नहीं हुई क्योंकि इस मुद्दे पर मंत्रियों के एक समूह (जीओएम) की रिपोर्ट ने कुछ दिन पहले ही अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। यह भी स्पष्ट किया गया कि पेट्रोलियम परिचालन के लिए आयातित अधिसूचना संख्या 1/2017-सीटीआर की अनुसूची आई के तहत 5 प्रतिशत की निम्न दर श्रेणी में आने वाले सामान पर 5 प्रतिशत की कम दर लगेगी और 12 प्रतिशत की दर केवल तभी लागू होगी जब सामान्य दर 12 प्रतिशत से अधिक हो।

जन स्मॉल फाइनेंस बैंक दे रहा एफडी पर 8.80 फीसदी तक ब्याज

नई दिल्ली।

आरबीआई द्वारा रेपो रेट में वृद्धि से जहां एक ओर लोन लेने वालों के लिए सिरदर्द बढ़ता है वहीं दूसरी ओर निवेशकों की चांदी होती है। जिन लोगों ने एफडी में अपना पैसा लगाया है उन्हें मई से अब तक कई बार ब्याज दरों में वृद्धि का फायदा मिला होगा। आमतौर पर यह वृद्धि रेपो रेट में हुई बढ़ोतरी के बराबर तब नहीं होती लेकिन बार-बार दरों में इजाफे के कारण सम्मिलित रूप से यह काफी अधिक हो जाती है। आरबीआई ने हाल ही में रेपो रेट में 0.35 फीसदी का इजाफा किया था जिसके बाद कई बैंकों ने एक बार फिर एफडी की ब्याज दरों में वृद्धि करना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में जन स्मॉल फाइनेंस बैंक अभी 2-3 साल की अवधि वाली एफडी पर आम लोगों को 7.85 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 8.80 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। बैंक द्वारा जारी की गई नई ब्याज दरें 15 दिसंबर से ही लागू हैं। ये ब्याज दरें 2 करोड़ रुपये तक के निवेश वाली एफडी पर लागू हैं। इस बैंक अलावा भी कई बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ाई हैं। देश के सबसे बड़े बैंक ने इसी हफ्ते की शुरुआत में ब्याज दरों में 0.25 फीसदी के करीब वृद्धि की थी। ये ब्याज दरें 13 दिसंबर से लागू हैं। बैंक अब 2 साल से कम

मैच्योर होने वाली 2 करोड़ रुपये तक की एफडी पर 6.75 फीसदी ब्याज दे रहा है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को अतिरिक्त 0.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। यानी उन्हें 7.25 फीसदी तक का ब्याज मिल रहा है। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी ने नई दरें 14 दिसंबर से लागू कर दी हैं। अब बैंक 15 महीने से 18 महीने में मैच्योर होने वाली एफडी पर 7 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। बैंक वरिष्ठ नागरिकों को अधिकतम 7.75 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। बैंक 7 दिन से लेकर 10 साल तक के समयावधि वाली एफडी ऑफर करता है। निजी क्षेत्र के एक और बड़े बैंक आईसीआईसीआई ने अपने ग्राहकों को रेपो रेट में हुई वृद्धि का लाभ पहुंचाया है। बैंक ने 290 दिन से अधिक और 1 साल से कम में मैच्योर होने वाली एफडी पर ब्याज दर 5.75 फीसदी कर दी है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को अतिरिक्त 0.50 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है।

मस्क ने फेडरल रिजर्व को भारी नुकसान के लिए ठहराया जिम्मेदार, टेस्ला पहले से बेहतर कर रही प्रदर्शन

सैन फ्रांसिस्को।

टेस्ला के शेयरों में गिरावट के बीच एलन मस्क ने शनिवार को मौजूदा स्थिति के लिए फेडरल रिजर्व को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी पहले से बेहतर कर रही है।इस साल जनवरी से टेस्ला के स्टॉक में लगभग 60 फीसदी की गिरावट आई है और इस सप्ताह 156.80 डॉलर पर कारोबार हुआ। जब एक ट्विटर फॉलोअर ने कहा कि मस्क को टेस्ला की 600 बिलियन डॉलर की संपत्ति का नुकसान हुआ है, तो उन्होंने कहा कि टेस्ला पहले से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने ट्वीट किया, फेडरल रिजर्व पर हमारा नियंत्रण नहीं है।

यहां असली समस्या यही है। मस्क ने आगे कहा कि उन्होंने गीगा टेक्सास प्रोडक्शन प्रोग्रेस पर अपनी बैठक अभी समाप्त की है। टेस्ला के गिरते शेयरों ने मस्क की कुल संपत्ति को प्रभावित किया है। मस्क को 174 बिलियन डॉलर तक का नुकसान हुआ है, जिससे वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। वहीं पहले स्थान पर फ्रांसीसी फैशन और कॉस्मेटिक मैग्नेट बर्नार्ड अरनॉल्ट है। मस्क ने 2022 में अपनी नेटवर्थ में 100 बिलियन डॉलर से अधिक की गिरावट देखी।इस हफ्ते, उन्होंने लगभग 3.5 बिलियन डॉलर मूल्य के 20 मिलियन से अधिक टेस्ला शेयर बेचे और इलेक्ट्रिक कार कंपनी में अधिक स्टॉक बेचने का कोई कारण नहीं बताया। नवंबर 2021 से मस्क ने टेस्ला के 39 अरब डॉलर से ज्यादा के शेयर बेचे हैं। शेयर की बिक्री ऐसे समय में हुई है, जब टेस्ला के निवेशकों ने मस्क के 44 बिलियन डॉलर के ट्विटर अधिग्रहण पर चिंता जताई है।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में भाषण देना चाहते थे ज़ेलेंस्की फीफा ने मना किया

कीव । फीफा वर्ल्ड कप 2022 अपने अंतिम दौर में हैं 18 दिसंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाना है। अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच यह जंग होनी है इस फाइनल मैच पर पूरी दुनिया की नज़र है। फाइनल को लेकर एक राजनीतिक खबर भी सामने आई है जहां युद्ध के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की द्वारा फीफा के फाइनल मुकाबले में शांति संदेश देने की अपील की थी। हालांकि फीफा द्वारा अपील को ठुकरा दिया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यूक्रेन द्वारा फीफा के सामने यह अपील की गई थी कि जेलेंस्की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए फाइनल में एक संदेश देना चाहते हैं। लेकिन फीफा ने इस अपील को ठुकरा दिया। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन-फीफा के बीच अभी भी इस मसले पर बात चल रही है। फीफा ने इस अपील पर कहा है कि वह ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन है इसतरह वहां किसी के पक्ष या विपक्ष में वह बयान देने का मंच नहीं बन सकता है। हम वर्ल्ड कप में सबके हितों का ध्यान रख रहे हैं। बता दें कि रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया था तब फीफा ने उस बैन कर दिया था।

अंतिम दिन आज तय होगा चटगांव टेस्ट का विजेता

चटगांव । (एजेंसी)

भारत और बांग्लादेश के बीच चटगांव में दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रोमांचक हो गया है। मैच के चौथे दिन दूसरी पारी में मेजबान टीम के 6 विकेट गिराकर अपनी टीम ने पकड़ मजबूत कर ली थी। भारत जीत से 4 विकेट दूर है। 514 रन के टारगेट का पीछा करते हुए चौथे दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने 6 विकेट के नुकसान पर 272 रन बना लिए हैं। बांग्लादेश को आखिरी दिन जीत के लिए 241 रन की दरकार है। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन चौथे दिन का खेल खत्म होने पर 40 रन पर नाबाद लौटे। दूसरे छोर पर मेहदी हसन मिराज हैं। इसके पहले चौथे दिन बांग्लादेश ने शुक्रवार के 42 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बांग्लादेश के दोनों ही ओपनर जाकिर हसन और नजमुल हुसैन ने शानदार बल्लेबाजी की और बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए। लंच से पहले ही दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर बांग्लादेश के स्कोर को भी 100 के पार पहुंचा दिया। भारत को पहली सफलता 124 रन के स्कोर पर मिली। जब उमेश यादव की गेंद को थर्डमैन की तरफ खेलने की चक्कर में नजमुल हुसैन विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। शान्तो 67 रन बनाकर आउट हुए। सलामी जोड़ी टूटने के बाद भारतीय टीम ने मैच में बेहतर वापसी कर बांग्लादेश को बैकफुट पर धकेल दिया। इसमें अक्षर पेटल और कुलदीप यादव का अहम योगदान रहा। इन दोनों ने मिलकर बांग्लादेश के मिडिल ऑर्डर को तोड़ दिया। भारत को दूसरी सफलता अक्षर पटेल ने यासिर अली को आउट कर दिलाई। इसके बाद लिटन दास और जाकिर हसन ने तीसरे विकेट के लिए 42 रन जोड़े। लिटन दास को आउट कर कुलदीप यादव ने बांग्लादेश को तीसरा झटका दिया। इसके बाद अश्विन ने दूसरा छोर संभाले खड़े हसन को शतक बनाने के तुरंत बाद आउट कर दिया। उन्होंने 224 गेंद पर 13 चौके और एक छक्के की मदद से 101 रन बनाए। हसन ने अपने डेब्यू टेस्ट पर शतक ठोका। अक्षर ने फिर मुश्फिकुर रहीम को 23 रन के स्कोर पर आउट कर बांग्लादेश को पांचवां झटका दिया। इसी ओवर में उन्होंने विकेटकीपर बैटर नुरुल हसन को भी अपना शिकार बनाया। हालांकि इसके बाद कप्तान शाकिब अल हसन और मेहदी हसन मिराज ने बाकी बचे 14 ओवर में बांग्लादेश को एक भी झटका नहीं लगने दिया। शाकिब 40 और मिराज 9 रन पर नाबाद लौटे। बांग्लादेश को पांचवें दिन जीत के लिए 241 रन की दरकार होगी और उसके 4 विकेट बाकी हैं। भारत की ओर से अक्षर पटेल ने 50 रन देकर 3 विकेट लिए। कुलदीप यादव आर अश्विन और उमेश यादव को 1-1 विकेट मिले।

बांग्लादेश के खिलाफ कोहली अपने नाम किया एक ओर कीर्तिमान

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने बाग्ं लादेश के खिलाफ मैच के दौरान एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। विराट सभी फॉर्मेट में मिलाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कैच लेने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ से आगे निकले हैं। इस मैच में विराट ने अबतक कुल दो कैच लपके हैं। दूसरी पारी के दौरान शतकवीर जाकिर हसन का कैच विराट ने पकड़ा। पहली पारी के दौरान बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन पूर्व भारतीय कप्तान के हाथों लपके गए। वॉ का करियर 1988 से 2002 तक रहा। इस दौरान उन्होंने 372 मैचों में 289 कैच लपके। वॉ का करियर बेस्ट एक मैच में चार कैच का है। उधर कोहली ने 482 मैच खेलने के बाद 291 कैचों के साथ वॉ को पीछे छोड़ा है। प्रति पारी में कैच लपकने की बात की जाए तब इस मामले में पूर्व कंगारू बल्लेबाज विराट से आगे हैं। वॉ हर 0.592 पारियों के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कैच पकड़ते थे। विराट को कैच लपकने के लिए 0.508 पारियां लगती है। कोहली इसी मैच के दौरान साउथ अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज ग्रीम स्मिथ के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकते हैं। विराट ने नाम कुल 291 कैच हैं। उनसे महज एक कैच आगे ग्रीम स्मिथ है। अगर विराट मैच में दो और कैच लेने में कामयाब होते हैं तब वहां स्मिथ को भी पीछे छोड़ देने वाले हैं। वनडे टेस्ट और टी20 को मिलाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक कैच लेने के मामले में श्रीलंका के महेला जयवर्धने 440 कैचों के साथ पहले स्थान पर हैं। रिकी पोंटिंग ने भी 364 कैच अपने नाम किए थे। न्यूजीलैंड के रॉस टेलर इस फेहरिस्त में 351 कैचों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

एडिलेड इंटरनेशनल 2 में उतरेंगी स्वीयातेक और जाबौर

(एजेंसी)

एडिलेड इंटरनेशनल 2 में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वीयातेक और नंबर दो ओंस जाबौर सहित डब्लूटीए टूर की शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। विश्व की नंबर तीन जेसिका पेगुला और डब्लूटीए फाइनल्स चैंपियन केरोलिन गार्सिया भी इस डब्लूटीए 500 इवेंट में उतरेंगी जो 2023 सत्र के दूसरे सप्ताह में खेला जाएगा और नौ जनवरी से शुरू होगा। एडिलेड 2 एडिलेड टेनिस उत्सव का दूसरा चरण है और यह 16 जनवरी से होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले आखिरी डब्लूटीए 500 टूर्नामेंट है। विश्व की नंबर तीन जेसिका पेगुला और डब्लूटीए फाइनल्स चैंपियन केरोलिन गार्सिया भी इस डब्लूटीए 500 इवेंट में उतरेंगी जो 2023 सत्र के दूसरे सप्ताह में खेला जाएगा और नौ जनवरी से शुरू होगा।

भारत ने रिकार्ड तीसरी बार जीता ब्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप 2022 का खिताब 2 बल्लेबाजों ने जड़ा शतक

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत ने ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया है। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में बांग्लादेश को हराकर लगातार तीसरी बार खिताब जीता। यह टूर्नामेंट का केवल तीसरा सीजन था। अब तक कोई और टीम खिताब नहीं जीत पाई है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने सुनील रमेश (136 नाबाद) और अजय कुमार रेड्डी (100) के शतकों की बदौलत 277 रन बनाये। मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजे गये सुनील ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरा शतक जड़ते हुए 63 गेंदों पर 24 चौकों और एक छक्के की मदद से 136 रन बनाये जबकि कप्तान अजय ने 50 गेंदों पर 18 चौकों की बदौलत 100 रन की पारी खेली। जवाब में बांग्लादेश की टीम 3 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। इस तरह भारतीय टीम ने 120 रन के बड़े अंतर से मैच जीत लिया। हालांकि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले विवाद हो गया था। वीजा नहीं मिलने के कारण पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने भारत नहीं आ सकी थी। इससे पहले 2017 में हुए टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराया था। तब टूर्नामेंट के मैच भारत में ही होते थे। पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 197 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। भारत ने 9 विकेट से जीत दर्ज की थी। इससे पहले 2012 में भी भारत ने खिताब पर कब्जा किया था।

संक्षिप्त समाचार

फुटबाल विश्वकप का सीधा प्रसारण आज किला मैदान पर

धार । इस समय पूरे विश्व में फुटबाल की धूम मची हुई है धार में भी इसका असर देखने को मिल रहा है दरअसल विश्व विख्यात खेल फुटबाल का इस समय विश्वकप चल रहा है जिसका रविवार को फाइनल मैच होना है धार के फुटबाल प्रेमी भी बड़े उत्साह के साथ इस विश्व कप का आनंद ले रहे है फाइनल मेंच के लिए भी धार के मालवा क्लब जिला फुटबाल एसोसिएशन एथलेटिक एसोसिएशन सोनू रेस्टोरेंट प्राइम स्पोर्ट्स और डिसेंट स्पोर्ट्स द्वारा किला मैदान पर सीधा प्रसारण किया जा रहा है कार्यक्रम के दौरान रंगारंग आतिशबाजी के साथ कार्यक्रम आयोजित करवाया जाना है उक्त जानकारी देते हुए फुटबाल प्रशिक्षक शमशेर सिंह यादव ने बताया की रविवार को शाम 7 बजे से किला मैदान पर फीफा विश्वकप का आयोजन का सीधा प्रसारण शहर के लोगो को दिखाया जायेगा ताकि धार में भी फुटबाल की अलख जगाई जा सके शहर में फुटबाल के अधिक से अधिक खिलाड़ी निकल कर देश में धार का नाम रोशन कर सके। यादव ने बताया की मालवा क्लब जिला फुटबाल एसोसिएशन एवं एथलेटिक संगठन हमेशा किसी भी खेल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं।

23 दिसंबर को आईपीएल ऑक्शन से पहले चोटिल हुए तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में अब सिर्फ एक हफ्ते का समय बचा है। 23 दिसंबर को होने वाले मिनी ऑक्शन में हर फ्रेंचाइजी मजबूत खिलाड़ी चुनकर अपनी कमजोरी दूर करने की कोशिश करेगी। इसके लिए आईपीएल टीमों ने रणनीति तैयार कर ली है। हालांकि ऑक्शन से चंद रोज पहले भारत के तेज गेंदबाज इंशात शर्मा के लिए मायूस कर देने वाली खबर आई है। इंशात ने ऑक्शन के लिए अपना नाम दे रखा है और उनका बेस प्राइस 50 लाख रुपए है। दरअसल नीलामी से ठीक पहले रणजी ट्रॉफी मैच में चोटिल होने से इंशात की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेल रहे इशांत शर्मा ने महाराष्ट्र के खिलाफ मैच की पहली पारी में 20 ओवर की गेंदबाजी में 46 रन देकर 1 विकेट हासिल किया है। लेकिन मैच की दूसरी पारी में वह अनफिट होने की वजह से एक भी ओवर नहीं फेंक पाए और मैदान से बाहर हो गए। टीम इंडिया में 'लंबू' के नाम से फेमस इशांत शर्मा को न सिर्फ इंटरनेशनल बल्कि आईपीएल का भी अच्छा खासा अनुभव है। वह इस लीग में 6 अलग-अलग टीमों के लिए खेल चुके हैं। हालांकि पिछले सीजन में उन पर किसी फ्रेंचाइजी ने भरोसा नहीं जताया था और वह अनसोल्ड रहे थे। आखिरी बार वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले थे।

पुजारा टी20 लीग में खेलने के इच्छुक नहीं इस साल नीलामी के लिए नहीं कराया पंजीकरण: दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत के वरिष्ठ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पिछले दिनों बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 130 गेंदों में 102 रनों की पारी खेली और अपने कैरियर का सबसे तेज टेस्ट शतक जड़ा। उनकी आक्रामक पारी को देखकर प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच चेतेश्वर पुजारा की चर्चा शुरू हो गई है। पुजारा की शतकीय पारी को देखकर कई फैंस ने यह भी मांग उठाई कि पुजारा को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलना चाहिए। इस बात की चर्चा इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि आईपीएल 2023 की नीलामी में कुछ ही दिन बाकी बचे हैं। हालांकि भारत के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को नहीं लगता कि पुजारा टी20 लीग में खेलने के इच्छुक हैं। गौरतलब है कि पुजारा ने इस साल की नीलामी के लिए खुद को पंजीकृत भी नहीं किया है आखिरी बार 2014 में इस लीग में खेलने का मौका मिला था। वहीं कार्तिक को लगता है कि पुजारा ने खुद के लिए एक अलग जगह बनाई है और उनहोंने कहा है कि पुजारा जानते है कि आईपीएल उनके बस की बात नहीं है। दिनेश कार्तिक ने कहा ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि पुजारा को आईपीएल में खेलने का कोई शौक है। उन्होंने काफी समय से कोशिश की है और उन्हें पता चल गया है कि यह उनके बस की बात नहीं है। वह गर्मियों के दौरान काफी समय अपने टेस्ट क्रिकेट पर बिताते हैं। वह उस समय इंग्लैंड में अपने कौशल को तराशने और अपने क्रिकेट पर काम करते हैं। अपने जीवन के इस पड़ाव पर यह एक बात साबित करने की कोशिश करने के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि आप कहाँ खेलना पसंद करते हैं और लोग इस बात का आनंद कहां लेते हैं कि मैं इस तरह से बल्लेबाजी करता हूँ। वह उन उत्तरों से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि उनके लिए आईपीएल नहीं है। दिनेश ने आगे कहा वह गर्मियों में बाहर जा रहे है और इंग्लैंड के लिए खेल रहे हैं। उन्हें ऐसा करने में मज़ा आता है। वह अपने परिवार को साथ ले जाते हैं और इसका श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने वहां अपने लिए एक मुकाम पाया है। यही वह है जो आपको एक क्रिकेटर के रूप में प्रगति करने की आवश्यकता है। जब आपको एहसास होता है कि एक लड़ाई है जिसे आप जीत नहीं सकते आपको दूसरी लड़ाई पर जाने की जरूरत है और वह उस रास्ते पर चला गया है।

डिलेड स्ट्राइकर्स के गेंदबाजों ने सिडनी थंडर्स को महज 5.5 ओवरों में 15 रनों पर समेटा

नई दिल्ली । बिग बैश लीग 2022-2023 का एक ऐतिहासिक मुकाबला शुक्रवार को सिडनी थंडर्स और एडिलेड स्ट्राइकर्स के बीच सिडनी में खेला गया। इस मुकाबले में सिडनी की टीम 5.5 ओवरों में महज 15 रनों पर सिमट गई। सिडनी की इस दुर्दशा के लिए एडिलेड के तीन गेंदबाज जिम्मेदार रहे। टीम को हेनरी थॉर्नटन और वेस्ले ऑस्टिन आगर ने जबर्दस्त क्षति पहुंचाया। थॉर्नटन ने 2.5 ओवरों की गेंदबाजी करते हुए तीन रन खर्च कर 5 विकेट चटकाए। वहीं आगर ने अपने दो ओवरों की गेंदबाजी में छह रन खर्च करते हुए चार बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। इसके अलावा मैथ्यू शॉर्ट ने एक सफलता प्राप्त की। बता दें टी20 क्रिकेट में इस उम्दा गेंदबाजी के बावजूद हेनरी थॉर्नटन और वेस्ले ऑस्टिन आगर सबसे किफायती गेंदबाजी करने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल नहीं हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे किफायती गेंदबाजी करने वाले शीर्ष 5 गेंदबाज इस प्रकार हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे किफायती गेंदबाजी करते हुए सर्वाधिक विकेट चटकाने का रिकॉर्ड नाइजीरियाई क्रिकेटर पीटर अहो के नाम दर्ज है। अहो ने 24 अक्टूबर साल 2021 में सिएरा लियोन के खिलाफ लागोस क्रिकेट ग्राउंड में कहर बरपाती गेंदबाजी की थी। इस मुकाबले में उन्होंने 3.4 ओवर की गेंदबाजी करते हुए महज पांच रन खर्च कर छह बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया था। दूसरे स्थान पर भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर का नाम आता है। चाहर ने 10 नवंबर साल 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ नागपुर में दिल दहला देने वाली गेंदबाजी की थी। इस मुकाबले में उन्होंने 3.2 ओवरों की गेंदबाजी करते हुए सात रन खर्च कर विपक्षी टीम के छह बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया था। तीसरे स्थान पर भारतीय मूल के युगांडा क्रिकेट टीम से खेलने वाले खिलाड़ी दिनेश नाकरानी का नाम आता है। नाकरानी ने 19 अक्टूबर 2021 में लिसोटो के खिलाफ किगली में उम्दा गेंदबाजी की थी। इस मुकाबले में उन्होंने चार ओवरों की गेंदबाजी की। इस दौरान सात रन खर्च करते हुए छह सफलता प्राप्त की। चौथे स्थान पर श्रीलंकाई पूर्व स्पिनर अजंता मेंडिस का नाम आता है। मेंडिस ने 18 सितंबर 2012 में जिम्बाब्वे की टीम को हम्बनटोटा में पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया था। इस मुकाबले में उन्होंने चार ओवरों की गेंदबाजी करते हुए आठ रन खर्च कर छह विकेट चटकाए थे।

अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच फाइनल मुकाबले में रेफरी बने जीमॉन मार्सिनियक

दोहा । पोलैंड के जीमॉन मार्सिनियक को अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच रविवार को होने वाले फीफा विश्व कप फाइनल का रेफरी बनाया गया है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) ने कहा है कि मार्सिनियक के हमवतन पावेल सोकोलनिकी और तोमाज लिस्टकीविक्ज खिताबी मैच में असिस्टेंट रेफरी बने है। चार साल पहले रूस में पदार्पण करने वाले मार्सिनियक इस टूर्नामेंट में पहले भी अर्जेंटीना और फ्रांस के मुकाबलों में रेफरी रह चुके हैं। पोलैंड के 41 वर्षीय रेफरी मार्सिनियक ने अर्जेंटीना बनाम ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस बनाम डेनमार्क मैच में निर्णायक की भूमिका निभाई थी। उल्लेखनीय है कि असिस्टेंट रेफरी लिस्टकीविक्ज़ के पिता माइकल लिस्टकीविक्ज़ हैं जिन्होंने विश्व कप 1990 के फाइनल में रेफरी की भूमिका निभाई थी।

डेविड वार्नर भविष्य की तरफ देखें : रिकी पोंटिंग

ब्रिस्बेन।(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने ओपनर डेविड वार्नर से कहा है कि वह वास्तविक बनें और अपने टेस्ट करियर के संबंध में भविष्य की तरफ देखें। शनिवार को वार्नर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा की पहली गेंद पर आउट हो गए थे। वार्नर ने रबादा की शार्ट गेंद से बचने की कोशिश की लेकिन शार्ट लेग पर खाया जोंडो के हाथों लपके गए थे। जोंडो ने एक हाथ से कैच लपका। वार्नर ने हाल में वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो टेस्टों की सीरीज में पर्थ में पांच और 48 तथा एडिलेड में 21 और 28 रन बनाये। वार्नर इस दौरान अपने ऊपर लगे आजीवन नेतृत्व प्रतिबंध को हटाने के खिलाफ अपनी अपील को लेकर संघर्ष कर रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की अगली दो सीरीज अगले वर्ष भारत और इंग्लैंड के दौरे हैं जहां वार्नर का औसत क्रमशः 24.25 और 26.04 है। वह दोनों देशों में कोई शतक नहीं लगा पाए हैं। पोंटिंग ने ब्रिस्बेन टेस्ट के दौरान चैनल सेवन से कहा, मुझे लगता है कि उन्हें वास्तविक होना चाहिए और भविष्य की तरफ देखना चाहिए। जैसा मैंने पहले कहा कि उन्हें उसी तरह फिनिश करना चाहिए जैसा वह करना चाहते हैं। मैं यह देखना नहीं चाहूंगा कि उन्हें भारतीय दौरा या एशेज टूर मिले और फिर उन्हें कंधे थपथपा कर बाहर जाने को कहा जाए। पोंटिंग ने साथ ही कहा, उनके करियर को इस तरह समाप्त होते देखना निराशाजनक होगा। इंतजार करिये और देखिये। मैं उम्मीद करता हूँ कि वह अब से तब तक कुछ रन हासिल कर लेंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लेंगर इस मामले में पोंटिंग के विचारों से अलग राय रखते हैं और उनका मानना है कि वार्नर को टेस्ट क्रिकेट से खारिज करना जल्दबाजी होगी। लेंगर ने कहा, पिछली गर्मियों में उन्होंने अच्छी शुरूआत की है और अब उस शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने का समय है। हालांकि फिलहाल हर कोई पहली गेंद पर उनके आउट होने की चर्चा करेगा। लेंगर ने कहा, ऑस्ट्रेलिया जानता है कि वह उनके लिए कितने महत्वपूर्ण हैं खास तौर पर दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाजी को देखते हुए। मैं जानता हूं कि वह लड़ाकू हैं और ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं।

एम्मा रादुकानू ने सेबेस्टियन साक्स को बनाया नया कोच: रिपोर्ट

एजेंसी। पिछले वर्ष की यूएस ओपन चैंपियन एम्मा रादुकानू ने जर्मनी के सेबेस्टियन साक्स को अपना नया कोच नियुक्त किया है। 30 वर्षीय साक्स, जिन्होंने पिछले वर्ष अपने मार्गदर्शन में बेलिंडा बेंसिच को ओलम्पिक स्वर्ण दिलाया था, ने अबु धाबी में रादुकानू के साथ काम करना शुरू कर दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटिश खिलाड़ी रादुकानू चोट से उबरने के बाद वापसी के बाद एक प्रदर्शनी मैच में विम्बलडन उप विजेता ओंस जाबौर से 5-7 6-3 (10-8) से हार गयी थीं।जर्मन खिलाड़ी का फ्यूचर्स टूर में खिलाड़ी के रूप में संक्षिप्त करियर रहा है लेकिन कोच के रूप में उन्हें काफी कामयाबी मिली है। बेंसिच को दुनिया की शीर्ष 10 खिलाड़ियों में पहुंचाने से पहले वह जूलिया जॉर्जिस के साथ काम कर चुके हैं और उससे पहले विक्टोरिया अजारेंका की टीम का हिस्सा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि साक्स 18 महीनों में रादुकानू के पांचवें कोच होंगे। ब्रिटेन की नंबर एक रादुकानू अपने 2023 सत्र की शुरूआत नए वर्ष के पहले सप्ताह में आकलैंड में करेंगी। जर्मन खिलाड़ी का फ्यूचर्स टूर में खिलाड़ी के रूप में संक्षिप्त करियर रहा है लेकिन कोच के रूप में उन्हें काफी कामयाबी मिली है। बेंसिच को दुनिया की शीर्ष 10 खिलाड़ियों में पहुंचाने से पहले वह जूलिया जॉर्जिस के साथ काम कर चुके हैं और उससे पहले विक्टोरिया अजारेंका की टीम का हिस्सा रहे हैं।

पाक विदेश मंत्री बिलावल के खिलाफ गुजरात में जबर्दस्त आक्रोश कई शहरों में फूंके पुतले

सूरत। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की फटकार से बौखलाए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। बिलावल की टिप्पणी को लेकर गुजरात समेत देशभर में जबर्दस्त आक्रोश है और भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई शहरों में विरोध प्रदर्शन किया है। गुजरत के अहमदाबाद राजकोट और वडोदरा में बिलावल के पुतले को फूंक भाजपा कार्यकर्ताओं ने आक्रोश व्यक्त किया। अहमदाबाद में कलेक्टर कचहरी के बाहर पाकिस्तान विरोधी नारेबाजी कर कार्यकर्ताओं ने बिलावल के पुतले को जलाया। राजकोट में पाकिस्तान और बिलावल के खिलाफ प्रदर्शन किया और उसके पुतलेको फूंका। जिसमें भाजपा विधायक और कार्यकर्ता शामिल हुए और पाकिस्तान हाय हाय के नारे बाजी की। प्रदर्शनकारियों के हाथ में पोस्टर थे जिसमें लिखा था 'आतंकवाद की एक ही पहचान बिलावल भुट्टो और पाकिस्तान।' 'प्रधानमंत्री का यह अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान पाकस्तान मुर्दाबाद।' भाजपा विधायकों ने कहा कि बिलावल भुट्टो का बयान पाकिस्तान की मानसिकता दर्शाता है। वडोदरा में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल का पुतला फूंका गया जिसमें भाजपा सांसद विधायक नगर पार्षद समेत पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। गुजरात ही नहीं दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में बिलावल और पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में भाजपा युवा मोर्चा कके कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की और बिलावल का पुतला फूंका। गौरतलब है बिलावल भुट्टो ने न्यूयोर्क में कहा था 'मैं भारत को बताना चाहता हूं कि ओसामा बिन लादेन मर चुका है लेकिन गुजरात का कसाई जिंदा है और भारत का प्रधानमंत्री है। मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले अमेरिका ने उनकी एंट्री पर बैन लगा दिया था। पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर आरोप लगाते हुए बिलावल ने कहा कि दोनों भारत के नहीं आरएसएस के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हैं।' दरअसल पाकिस्तान के मंत्री का ये अभद्र बयान भारत के विदेश मंत्री की ओर से पाकिस्तान को लगाई गई फटकार के जवाब में आया है। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बोलते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूएन में कश्मीर मुद्दे को उठाने के लिए पाकिस्तान को फटकार लगाई थी। पाकिस्तान को नसीहत देते हुए जयशंकर ने कहा था कि जिस देश ने अल कायदा नेता ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकवादी को पनाह दी हो और अपने पडोसी देश की संसद पर हमला किया हो उसे उपदेश नहीं देना चाहिए।

गुजरात में 24 दिसंबर से पहले कड़ाके की ठंड की कोई संभावना नहीं

अहमदाबाद। गुजरात में ठंड ने दस्तक जरूर दे दी है लेकिन अब भी दिन में गर्मी का अहसास हो रहा है। सामान्य रूप से नवंबर के अंत में वेस्टर्न डिस्टर्बन्स की शुरुआत उत्तर गुजरात में हो जाती है और दिसंबर के प्रारंभ से मौसम ठंडा हो जाता है। इस साल दिसंबर महीने के 17 दिन बीत चुके हैं इसके बावजूद जिस ठंड का इंतजार है उसका अहसास नहीं हुआ। गुजरात में अब भी तापमान सामान्य से 5 डिग्री अधिक दर्ज हुआ है। उत्तर पूर्व की हवा चलने से सुबह ठंडी और दोपहर होते ही गर्मी का अहसास होता है। मौसम विभाग के मुताबिक हर साल दिसंबर महीने के मुकाबले जारी वर्ष का तापमान अधिक है। गुजरात में दिसंबर और जनवरी में ही ठंड का प्रमाण सबसे अधिक होता है। परंतु इस साल दिसंबर महीने में जितनी ठंड होनी चाहिए उतनी पड़ नहीं रही। दिसंबर की शुरुआत में ठंड का प्रमाण जरूर बढ़ा था लेकिन उसके बाद पिछले कई दिनों से गुजरात में मौसम का मिजाज बदलने से ठंड के बजाए गर्मी का अहसास हो रहा है। इस दौरान राज्य के कई जिलों में बेमौसमी बारिश हुई है। अब भी 25 दिसंबर के पहले गुजरात ठंड की कोई संभावना नहीं लगती। मौसम विभाग के मुताबिक 25 दिसंबर के आसपास कश्मीर लेह लद्दाख कुल्लू मनाली में बर्फबारी की संभावना है जिसकी वजह से दिसंबर के अंत में गुजरात में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। फिलहाल गुजरात में अधितम तापमान 28 से 32 डिग्री के आसपास है जो 25 दिसंबर के बाद 16 से 24 डिग्री तक पहुंच सकता है।

दुष्कर्म का केस वापस लेने के लिए पीड़ित महिला और उसके पति पर सरेआम चाकू से हमला

राजकोट। राजकोट के नानामौवा रोड स्थित लक्ष्मण आवास में रहनेवाली महिला और उसके पति पर सरेआम चाकू से हमला करने की घटना सामने आई है। हमले में घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला का आरोप है कि दुष्कर्म का मामला वापस लेने के लिए उस पर चाकू से हमला किया गया। राजकोट तहसील पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। पीडि़त महिला के मुताबिकउसके पति ने दीपक वडगामा नामक शख्स से प्रति दिन रु. 1500 के ब्याज पर रु. 50000 लिए थे। ब्याज का भुगतान नहीं करने पर दीपक घर आता और उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करता था। जिसके बाद दीपक उसके साथ दुष्कर्म भी करने लगा। अलग अलग होटल और दीव समेत कई स्थलों पर उसे ले जाकर दीपक ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इस संदर्भ में जब पुलिस से शिकायत की तब उसके पार्टनर अजीतसिंह चावड़ा ने समाधान के बुलाया था। जहां रुपए लेकर मामले का समाधान करने की धमकी। जब समाधान करने से इंकार किया तो अजितसिंह ने उसके सीने पर चाकू से हमला कर दिया। महिला का आरोप है कि गत महीने में पुलिस आयुक्त कचहरी में शिकायत कर दीपक के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की थी। लेकिन पुलिस ने जब दीपक के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया तो कोर्ट शिकायत की। इसी केस वापस लेने के लिए अजितसिंह ने उस पर चाकू से हमला किया।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए तीन जोड़ी शीतकालीन विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी

अहमदाबाद । यात्रियों की सुविधा के लिए और क्रिसमस के त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराए पर 3 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। यात्री कृपया नोट करें कि इन ट्रेनों में लिनेन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। इन विशेष ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1.ट्रेन नंबर 09412/09411 अहमदाबाद-करमाली स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09412 अहमदाबाद-करमाली स्पेशल अहमदाबाद से प्रत्येक मंगलवार को 09.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.00 बजे करमाली पहुंचें। यह ट्रेन 20 व 27 दिसंबर 2022 को चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09411 करमाली-अहमदाबाद स्पेशल प्रत्येक बुधवार को करमाली से 09.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.00 बजे अहमदाबाद पहुंचे। यह ट्रेन 21 और 28 दिसंबर 2022 को चलेगी। रास्ते में यह ट्रेन नडियाद आणंद वड़ोदरा सूरत वापी पालघर वसई रोड पनवेल रोहा माणगांव खेड़ चिपलून सावरदा अरावली रोड संगमेश्वर रोड रत्नागिरी आडवली विलवडे राजापुर रोड वैभववाड़ी रोड नंदगाँव रोड कणकवली सिंधुदुर्ग कुडाल सावंतवाड़ी रोड और थिविम स्टेशनों पर दोनों दिशाओं रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर एसी 3-टियर शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

2. ट्रेन नंबर 09207/09208 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09207 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को बांद्रा टर्मिनस से 9.15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 और 30 दिसंबर 2022 को चलेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 09208 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को भावनगर टर्मिनस से 14.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 22 और 29 दिसंबर 2022 को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली वापी सूरत वडोदरा नडियाद अहमदाबाद सुरेंद्रनगर गेट बोटाद ढोला सोनगढ़ और भावनगर परा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर एसी 3-टियर शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

3. ट्रेन नंबर 09575/09576 बांद्रा टर्मिनस-ओखा स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09575 बांद्रा टर्मिनस-ओखा स्पेशल प्रत्येक बुधवार को बांद्रा टर्मिनस से 06.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 01.35 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 व 28 दिसंबर 2022 को चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09576 ओखा-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को ओखा से 8.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 04.50 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 और 27 दिसंबर 2022 को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली वापी सूरत भरूच वडोदरा अहमदाबाद वीरमगाम सुरेंद्रनगर वांकानेर राजकोट हापा जामनगर खंबालिया और द्वारका स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में एसी 2-टियर एसी 3-टियर शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

गधे बेचकर गुजरान चला रहे पाकिस्तान की हालत भिखारी से भी बद्दतर : सीआर पाटील

अहमदाबाद। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। बिलावल भुट्टों की कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए कहा कि गधे बेचकर गुजरान चला रहे पाकिस्तान की हालत भिखारी से भी बद्दतर हो चुकी है। आतंकवाद को प्रोत्साहन देनेवाले देश पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आतंकियों को प्रोत्साहित करने वाले पाकिस्तान की करतूतों को खामियाजा वहां के निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता ह। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति रही है कि पड़ोसी देश आर्थिक रूप से मजबूत हो परंतु पाकिस्तान आतंकवाद को प्रोत्साहन देने से बाज नहीं आ रहा। पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के पास बोलने के लिए कोई विषय नहीं है इसलिए हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हैं। इस टिप्पणी को लेकर गुजरात समेत पूरे देश में बिलावल भुट्टों के खिलाफ जबर्दस्त आक्रोश है। गौरतलब है शनिवार को गुजरात के अहमदाबाद वडोदरा और राजकोट समेत कई शहरों में पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करनेवाले पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो समेत पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन और पुतले फूंके गए।

आदिजाति मंत्री ने लगाई अधिकारियों की क्लास एक को तत्काल सस्पैंड करने का दिया आदेश

सूरत।

गुजरात विधानसभा में प्रचंड जीत के बाद फिर एक बार सत्ता में आई भाजपा सरकार के एक मंत्री ने सूरत के मांडवी में अधिकारियों की क्लास लगा दी। एक अधिकारी को तत्काल प्रभाव से सस्पैंड करने का आदेश भी दे दिया। गुजरात के आदिजाति विकास राज्यमंत्री कुंवरजी हलपति ने आज सूरत के मांडवी में पहली समीक्षा बैठक की। जिसमें अनियमित उपस्थिति और सेवा में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही उन्होंने खासकर तलाटी कम मंत्री से कहा कि जाति प्रमाण पत्र में त्रुटियों और आदिवासियों के फर्जी प्रमाण पत्र बनाए तो कानूनी कार्यवाही कर जेल भेजा जाएगा। कुंवरजी हलपति ने बैठक में विभिन्न प्रश्नों का तत्काल निराकरण करने का अधिकारियों को आदेश दिया। साथ ही एक अधिकारी को तत्काल प्रभाव से सस्पैंड करने का भी आदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी फाइल अधिकारियों के सामने आती है उसका तुरंत निपटारा किया जाना चाहिए। मांडवी की जनती कुंवरजी हलपति पर उम्मीद लगाए बैठी है। उन्होंने कहा कि कोई भी विभाग क्यों ना हो वह किसी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं करेंगे। सभी अधिकारियों को हमारे कार्यकर्ता और आम नागरिकों का मान-सम्मान बरकरार रहे इसका ध्यान रखना होगा और प्रत्येक को सकारात्मक जवाब देना होगा। बता दें कि कांग्रेस का गढ़ रही सूरत की मांडवी विधानसभा सीट पर कुंवरजी हलपति 18 हजार से भी अधिक वोटों से जीते हैं। पहली बार मिली सफलता को देखते हुए भाजपा ने संज्ञान लिया है और कुंवरजी हलपति को आदिजाति विकास श्रम रोजगार एवं ग्राम विकास मंत्री बनाया है।

दो दिन में कच्छ पुलिस ने 44 किलो गांजा और नाबालिग समेत 5 शख्सों को किया गिरफ्तार

कच्छ। गुजरात में ड्रग्स के साथ साथ गांजा की तस्करी भी बढ़ी है। बीते कई दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में पुलिस ने बड़े पैमाने पर गांजा पकड़ा है। जिसमें गांजा की बुवाई का भी पर्दाफाश कर खेत मालिक के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की है। पिछले दो दिन में कच्छ की पुलिस ने अलग अलग स्थलों पर रेड कर 44 किलो गांजा और एक नाबालिग समेत 5 शख्सों को गिरफ्तार किया है। कच्छ पुलिस ने आज गांजा के दो मामले पकड़े हैं। पूर्व कच्छ एलसीबी और एसओजी ने संयुक्त कार्यवाही के तहत पडाणा-वरसाणा के बीच एक शख्स को 1 किलो गांजा और देशी तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया शख्स राजवीर सौराज राहत यादव नामक शख्स बिहार मूल का निवासी है। साथ ही राजवीर यादव से गांजा प्राप्त करने वाले महेश यादव को भी पुलिस ने 11 किलो गांजा के साथ धरदबोचा। आरोपियों से पूछताछ में सतेन्द्रकुमार यादव और भवानी यादव के नाम का खुलासा हुआ है जिन्हें गिरफ्तार करने की दिशा में पुलिस ने कवायद तेज कर दी है। इससे पहले पूर्व कच्छ से एसओजी ने गांधीधाम की झुग्गी बस्ती के निकट से शाकीर नूरमामद अंसारी और एक नाबालिग लड़के को 32 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया था। इस मामले में बिहार के नितिशसिंग और मनीषसिंग नामक दो शख्सों का खुलासा हुआ है। कच्छ पुलिस के हत्थे चढ़े शाकीर नूरमामद अंसारी पूर्वी दिल्ली का निवासी है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने उत्तर भारत में अपने पहले क्षेत्रीय स्टॉकयार्ड की घोषणा की

बैंगलोर । अपने ग्राहकों के लिए विश्व स्तरीय उत्पादों और सेवाओं तक आसान पहुंच को संभव करने के लिए ग्राहक सबसे पहले के अपने दर्शन के अनुरूप टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज हरियाणा के फारूकनगर में अपने पहले क्षेत्रीय स्टॉकयार्ड के उद्घाटन की घोषणा की।

पूरे क्षेत्र में एक पतला और कार्यकुशल वितरण नेटवर्क सुनिश्चित करते हुए यह स्टॉकयार्ड पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल और जम्मू और कश्मीर में डीलर्स के लिए डिलीवरी के समय को वर्तमान 6-8 दिनों से घटाकर अधिकतम दो दिन कर देगा। इस लिहाज से यह यह मौके की जगह पर है। टीकेएम की इस प्रगति से इस क्षेत्र के ग्राहकों को भी लाभ होगा। अब अपने पसंदीदा टोयोटा वाहनों तक उनकी पहुंच तेज होगी। क्षेत्रीय स्टॉकयार्ड कम से कम समय में डीलर्स को डिलीवरी सुनिश्चित करेगा। ऐसा इन राज्यों से इसकी निकटता और सभी टोयोटा वाहनों के विशाल स्टॉक की उपलब्धता से सुनिश्चित होगा।

पांच एकड़ में फैले इस स्टॉकयार्ड में 900 वाहनों की पार्किंग क्षमता है। 2020 में गुवाहाटी में अपना पहला क्षेत्रीय स्टॉकयार्ड शुरू करने के बाद टीकेएम के लिए यह दूसरा ऐसा स्टॉकयार्ड है। गुवाहाटी में क्षेत्रीय स्टॉकयार्ड होने से भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में डीलर्स और ग्राहकों को महत्वपूर्ण लाभ हुआ है। इसके अलावा, फारूकनगर स्टॉकयार्ड गति, लचीलापन, लागत में कमी और अधिक महत्वपूर्ण रूप से सीओ2 में कमी करने में सहायता करेगा, क्योंकि टीकेएम प्लांट से स्टॉकयार्ड अधिकतम डिस्पैच माल गाड़ी के जरिये किया जाएगा। इस समय टीकेएम का कुल 60% डिस्पैच मालगाड़ी से होता है। हमारा लक्ष्य प्रति माह 5,000 वाहन वितरित करने में सक्षम होने के साथ-साथ इसे 80% तक बढ़ाना है।

इस उद्घाटन पर टिप्पणी करते हुए, टीकेएम के महाप्रबंधक श्री वी. विसेलिन सिगमणि ने कहा, "हरियाणा में अपने पहले क्षेत्रीय स्टॉकयार्ड के उद्घाटन की घोषणा करते हुए हमें खुशी हो रही है। भारत का उत्तरी भाग हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार है और इस लिहाज से स्टॉकयार्ड के लिए फारूकनगर मौके की जगह है। ग्राहक सबसे पहले के अपने नजरिये को ध्यान में रखते हुए इस बाजार में ग्राहकों की जरूरतें आसानी से पूर्ण करना संभव होगा। ग्रीन मोबिलिटी समाधानों में अग्रणी के रूप में, टोयोटा एक बेहतर कल की ओर अग्रसर है और हमेशा पर्यावरण की दृष्टि से स्थायी समाधानों पर जोर दिया है। ऐसा हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें होता है वह चाहे सामग्री की सोर्सिंग हो, निर्माण हो, या बिक्री और सेवाएं हों। क्षेत्रीय स्टॉकयार्ड के जरिये अपने संरक्षकों के करीब होकर हम न केवल आने-जाने की लागत कम करने में सक्षम हैं, बल्कि सभारतंत्र में कमी करके पूरी प्रक्रिया में सीओ2 उत्सर्जन को भी काफी कम कर सकेंगे।

सूरत भूमि, सूरत। भगवान श्री पार्श्वनाथ भगवान के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ दादा का भव्य अंगरचना, पुष्प शृंगार कर दीप जलाया गया। यह देवता जैन और गैर-जैन दोनों के लिए आस्था का केंद्र है और हजारों भक्तों द्वारा इसका दर्शन किया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)